INS ACCREDITED
यूनिकॉम एडवरटाइजिंग
unicomadvertising.com

प्रेरणास्रोत पूज्यनीय राजनलाल गौतम जी

यूनिक समय

डीएवीपी द्वारा मान्यता प्राप्त
डाक पंजीकृत संख्या मथुरा 071/2026—28

Sweety BY MR GROUP Presents
Unique Samay Update
uniquesamay.com

वर्ष-4 | अंक-77 | सांध्य दैनिक | मथुरा, गुरुवार, 14 मई 2026 | पेज-12 | 5 रुपया | www.facebook.com/uniquesamay | X.com/Theuniquesamay | www.linkedin.com/in/uniquesamay

नागरिक और श्रद्धालुओं का सारथी बनेगा मेरो मथुरा एप

उत्तर प्रदेश बृज तीर्थ विकास परिषद के सभागार में आयोजित बैठक में सांसद हेमामालिनी, बृज तीर्थ विकास परिषद के उपाध्यक्ष शैलजाकांत मिश्र, डीएम सीपी सिंह, सीईओ लक्ष्मी नागप्पन, नगर आयुक्त जगप्रवेश आदि।

एप पर मिलेंगी यह सुविधाएं

मेरो मथुरा एपर नागरिक और श्रद्धालुओं को काफी सुविधाएं मिलेंगी, यह एप गाइड बनेगा। हिंदी– अंग्रेजी भाषा वाले इस एप में नगर निगम की स्मार्ट डिजिटल सेवाएं उपलब्ध होंगी, जबकि आनलाइन शिकायत दर्ज कराई जा सकेगी। इस शिकायत की स्थिति को ट्रेक भी किया सकेगा, संबंधित अधिकारी से संपर्क भी किया जा सकेगा।

घर बैठे होगा संपत्ति कर का भुगतान

मेरो मथुरा एप से नागरिक संपत्ति कर का भुगतान घर से कर सकेंगे, जबकि रसीद भी ऑनलाइन मिलेगी। जन्म– मृत्यु का आवेदन भी इसी एप से होगा, प्रमाण पत्र भी ऑनलाइन मिल सकेगा। एप पर नगर निगम के सभी अधिकारियों के नंबर भी उपलब्ध होंगे। पालतू पशुओं का पंजीकरण कराने के अलावा इस एप पर पानी, कचरा, सड़क से जुड़ी शिकायत दर्ज कराई जा सकेगी।

श्रद्धालुओं के लिए लाभकारी

मेरो मथुरा एप श्रद्धालुओं के लिए भी गाइड का काम करेगा। पर्यटन गाइड में प्रसिद्ध मंदिर, घाट, धार्मिक स्थल की दूरी और मानचित्र होगा। आपातकाल होने पर एप में बटन भी होगा, जबकि शौचालय की जानकारी भी मिल सकेगी।

यूनिक समय, मथुरा। गुरुवार को सांसद हेमामालिनी ने मेरो मथुरा एप का शुभारंभ किया। गूगल प्ले स्टोर से डाउनलोड किए जाने वाले इस एप से श्रद्धालुओं को प्रसिद्ध मंदिर–घाट, धार्मिक स्थलां की जानकारी मिल सकेगी, जबकि नागरिक पानी, सड़क और कचरा की शिकायत ऑनलाइन कर सकेंगे। एप में आपातकालीन बटन की सुविधा भी है।

दोपहर को उत्तर प्रदेश ब्रज तीर्थ विकास परिषद के सभागार में आयोजित कार्यक्रम की अतिथि सांसद हेमा मालिनी ने परिषद के उपाध्यक्ष शैलजाकांत मिश्र, डीएम चंद्र प्रकाश सिंह, नगर आयुक्त जग प्रवेश, सीईओ लक्ष्मी नागप्पन और एचडीएफसी बैंक के जोनल हेड प्रवीण गुप्ता और आशीष श्रीवास्तव की मौजूदगी में रिमोट दबाकर सोलर स्ट्रीट लाइट और मेरो मथुरा एप का शुभारंभ किया।

इस दौरान सांसद ने एचडीएफसी

सांसद हेमामालिनी ने किया शुभारंभ, नगर निगम की मिलेंगी सुविधाएं

मंदिरों की जानकारी के अलावा मिलेगी प्रसिद्ध मंदिर–घाट और अन्य जानकारी

बैंक, नगर निगम और विकास प्राधिकरण के प्रयासों की सराहना करते हुए कहा कि मथुरा कोई साधारण स्थान नहीं है, बल्कि भगवान श्रीकृष्ण की पावन भूमि है। मेरो मथुरा एप स्थानीय नागरिकों को सुविधा देने के साथ–साथ पर्यटकों के लिए भी उपयोगी सिद्ध होगा। उत्तर प्रदेश ब्रज तीर्थ विकास परिषद के उपाध्यक्ष शैलजाकांत मिश्र ने कहा कि एप विकसित होने के बाद नगर निगम की जिम्मेदारी और बढ़ गई है। अब इसके माध्यम से न केवल शिकायतें आएंगी, बल्कि जन्म मृत्यु, सम्पत्ति टेक्स, पंजीकरण जैसी विभिन्न आवश्यकताओं के लिए इसका उपयोग किया जाएगा।

उन्होंने सुझाव दिया कि मेरो मथुरा एप को 'मेरो ब्रज' एप से जोड़ा जाए, जिसमें ब्रज क्षेत्र से जुड़े साहित्य, मंदिरों और ऐतिहासिक स्थलों की जानकारी उपलब्ध है।

डीएम चंद्र प्रकाश सिंह ने गोवर्धन परिक्रमा मार्ग में सोलर स्ट्रीट लाइट लगाने और मेरो मथुरा एप शुरू करने के लिए बैंक का आभार व्यक्त किया। नगर आयुक्त जग प्रवेश और विप्रा की उपाध्यक्ष लक्ष्मी नागप्पन ने भी सीएसआर फंड के माध्यम से सहयोग देने के लिए बैंक अधिकारियों का धन्यवाद ज्ञापित किया। कार्यक्रम में गोवर्धन चेयरमैन के प्रतिनिधि मनीष शर्मा, सांसद प्रतिनिधि जनार्दन शर्मा, योगेंद्र राणा, अपर मुख्य कार्यपालक अधिकारी मदन चंद्र, विप्रा के अधिशासी अभियंता प्रशांत गौतम, अमरदीप, एई वैशाली शर्मा, एचडीएफसी बैंक के जोनल हेड सीएसआर आशीष श्रीवास्तव, क्लस्टर हेड गिरिराज अग्रवाल, ब्रांच मैनेजर जितेंद्र छाबड़ा आदि मौजूद रहे। संचालन व्यास नंदन शर्मा ने किया।

ट्रैफिक पुलिस ने 2025 में किए 3,62,763 चालान

यूनिक समय मथुरा। ट्रैफिक पुलिस ने पूरे साल वाहन चलाने वालों से ट्रैफिक नियमों का पालन करने के दिशा निर्देश दिए। पुलिस ने ट्रैफिक नियमों को तोड़ने पर 3,62,763 वाहनों के चालान किए। निमय तोड़ने वालों से 3,99,71,417 का जुर्माना वसूला। इसके साथ चालान का जुर्माना न अदा करने वाले 38835 चालानों को कोर्ट भेज दिया गया।

एसपी ट्रैफिक राजेश तिवारी ने इस बारे में बताया कि ट्रैफिक पुलिस ने बीते साल में यातायात नियमों का पालन करने के लिए जनमानस में जागरुकता पैदा करने के लिए स्कूलों में गोष्ठियां की थीं, सड़कों पर जागरूकता अभियान चलाया। इसके साथ ही लोगों को सड़क पर होने वाली दुर्घटनाओं को रोकने के लिए ट्रैफिक नियमों का पालन कराने का पाठ भी पढ़ाया। इसके बावजूद नियम तोड़ कर सड़क पर वाहन चलाने वालों पर कोई फर्क नजर नहीं आया। पुलिस ने निमय तोड़ने वालों के खिलाफ ई चालान अभियान चलाया। इसके साथ ही चौराहों पर लगी सिग्नल लाइटों का उल्लंघन करने वालों के भी चौराहों पर लगे केमरों से चालान किए गए। यही नहीं हाईवे और यमुना एक्सप्रेस वे पर भी लगने वाले केमरों से वहां से भी ट्रैफिक नियमों के उल्लंघन करने वाले वाहनों के भी चालान किए गए। इस तरह पूरे साल

वसूला करीब चार करोड़ का जुर्माना

भुगतान न करने पर 38,835 चालान भेजे कोर्ट

जनपद में नियम विरुद्ध वाहन चलाने वालों पर ट्रैफिक पुलिस ने कार्रवाई करके 3,62,763 वाहनों के चालान किए। पुलिस ने वाहनों के किए गए चालानों से 3,99,71,417 का जुर्माना वसूला। जिन वाहन चालकों ने समय से जुर्मान अदा नहीं किया उनके खिलाफ कार्रवाई करने के लिए चालान कोर्ट में भेज दिए। कोर्ट में भेजे गए चालानों की संख्या 38,835 है। कोर्ट में लगने वाली लोक अदालतों में अधिकांश लोगों ने अपने वाहनों के चालानों का भुगतान करा दिया। इसके बाद भी हजारों की संख्या में चालानों के जुर्माने का भुगतान नहीं किया गया है।

मनरेगा मॉनिटरिंग सिस्टम की कार्यशैली पर उठे सवाल

मनरेगा में 'डिजिटल भूत': जांच हुई तो कई कुर्सियां हिलेंगी

सिटी रिपोर्टर

यूनिक समय, मथुरा। मथुरा में मनरेगा के डिजिटल सिस्टम पर उठे सवाल अब केवल फर्जी हाजिरी तक सीमित नहीं रह गए हैं। "एक ही फोटो से दर्जनों हाजिरियां" के खुलासे के बाद अब पूरा मामला निगरानी व्यवस्था, फील्ड मॉनिटरिंग और भुगतान सत्यापन तंत्र तक पहुंच गया है। कई पंचायतों में सामने आए समान डिजिटल पैटर्न ने इस आशंका को और मजबूत कर दिया है कि मामला केवल तकनीकी त्रुटि भर नहीं हो सकता।

यूनिक समय की पड़ताल में एरिया ऑफिसर विजिट रिपोर्ट से चौंकाने वाले तथ्य सामने आए हैं। वर्ष 2021 से अब तक एमआईएस पोर्टल पर जिला स्तरीय एरिया ऑफिसर विजिट का लक्ष्य 1010 दर्ज था, लेकिन इसके मुकाबले केवल 220 विजिट ही रिपोर्ट की गईं। यानी तय लक्ष्य का मात्र 22 प्रतिशत निरीक्षण ही रिकॉर्ड में दिखाई दिया। इससे बड़ा सवाल यह खड़ा हो गया है कि अधिकारी कार्यस्थलों तक पहुंचे ही नहीं या फिर निरीक्षण होने के बावजूद उसे पोर्टल पर

1010 जिला निगरानी लक्ष्य में सिर्फ 220 विजिट

एरिया ऑफिसर विजिट रिपोर्ट में सामने आई बड़ी लापरवाही

एक जैसे डिजिटल पैटर्न ने बढ़ाई राष्ट्रीय स्तर की चिंता

दर्ज नहीं किया गया। मनरेगा में फेस ऑथेंटिकेशन, जीपीएस लोकेशन, लाइव फोटो, टाइम स्टैम्प और ऑनलाइन मस्टर रोल जैसी डिजिटल व्यवस्थाएं लागू हैं। इसके साथ ही एरिया ऑफिसर, तकनीकी सहायक, ब्लॉक स्तरीय अधिकारियों और जिला स्तरीय निरीक्षण टीमों की नियमित मॉनिटरिंग व्यवस्था भी निर्धारित है। ऐसे में यदि रिकॉर्ड में असामान्य पैटर्न लंबे समय तक बने रहे तो फील्ड विजिट के दौरान उन्हें चिन्हित क्यों नहीं किया गया? यही सवाल अब प्रशासनिक हलकों में चर्चा का केंद्र बन गया है। सूत्रों के अनुसार कई कार्यस्थलों पर निरीक्षण रिकॉर्ड, डिजिटल एंट्री और कार्य प्रगति के बीच मेल की जांच अब बेहद महत्वपूर्ण मानी जा रही है। यदि वास्तविक मजदूर संख्या और पोर्टल डेटा में अंतर था तो एरिया स्तर की मॉनिटरिंग रिपोर्ट में वह दिखाई क्यों नहीं दिया? इसी कारण अब एरिया ऑफिसर विजिट रिपोर्ट, एनएमएमएस लॉग, जीपीएस रिकॉर्ड और वास्तविक कार्यस्थल सत्यापन के संयुक्त परीक्षण की मांग तेज हो गई है।

मामले की गंभीरता इसलिए भी बढ़ गई है क्योंकि राष्ट्रीय स्तर पर भी एनएमएमएस एप के दुरुपयोग को लेकर पहले से सवाल उठते रहे हैं। जुलाई 2025 में केंद्र सरकार द्वारा राज्यों को भेजे गए पत्र में पुरानी फोटो का उपयोग, एक ही फोटो का कई मस्टर रोल में दोहराव, जेंडर मिसमैच और असंबंधित फोटो अपलोड जैसी अनियमितताओं का उल्लेख किया गया था। राजस्थान में मनरेगा से जुड़े बड़े वित्तीय घोटालों में कई अधिकारियों पर कार्रवाई और बड़ी संख्या में मेट्स को ब्लैकलिस्ट किया जा चुका है। उत्तर प्रदेश के कई जिलों में भी एक फोटो पर कई मजदूरों की हाजिरी और बिना कार्य भुगतान जैसे आरोप सामने आ चुके हैं। अब जांच की मांग केवल फेस ऑथेंटिकेशन तक सीमित नहीं रही। पंचायतवार निरीक्षण रजिस्टर, ब्लॉक और जिला मॉनिटरिंग रिकॉर्ड, भुगतान तिथियों, बैंक ट्रांजेक्शन और डिजिटल लॉग के क्रॉस वेरिफिकेशन की मांग भी तेज हो गई है। प्रशासनिक हलकों में चर्चा है कि यदि डिजिटल, फील्ड और वित्तीय ऑडिट एक साथ हुआ तो जिम्मेदारी कई स्तरों तक तय हो सकती है।

जिम्मेदार अफसरों ने फिर साधी चुप्पी

यूनिक समय, मथुरा। इस मामले में स्थिति स्पष्ट करने के लिए उपायुक्त श्रम रोजगार विजय कुमार पाण्डेय और सीडीओ डॉ. पूजा गुप्ता से फोन पर संपर्क करने का प्रयास किया गया, लेकिन जवाबदेह अधिकारियों ने फोन रिसीव नहीं किया। इससे मामले को लेकर प्रशासनिक चुप्पी और सवालों के घेरे में आ गई है।

साहब बैठक ले रहे हैं, थोड़ा इंतजार कर लीजिए

समस्याएं लेकर पहुंचे लोग साहब का करते रहे इंतजार

गुरुवार को कलेक्ट्रेट परिसर स्थित एडीएम कार्यालय के बाहर साहब से मुलाकात करने को मौजूद लोग।

जन सुनवाई के तय समय के दौरान अधिकारी लेते रहे बैठक

समस्याओं का निदान पाने के लिए कलेक्ट्रेट आए फरियादी करते रहे इंतजार

यूनिक समय, मथुरा। एडीएम प्रशासन डॉ. अमरेश कुमार न्यायालय में वाद सुनवाई कर रहे थे, कार्यालय के बाहर एक फरियादी मौजूद था, वह शिकायत एडीएम को बताने के लिए इंतजार कर रहा था। इसी कक्ष के सामने एडीएम वित्त–राजस्व डॉ. पंकज कुमार का भी कार्यालय है, वह बैठक ले रहे हैं, चार फरियादी उनसे मिलने का इंतजार कर रहे हैं।

गुरुवार की सुबह 11 बजे से 11:30 बजे के दौरान यह दृश्य कलेक्ट्रेट स्थित एडीएम कार्यालय के बाहर बरामदे के हैं। सीएम योगी आदित्यनाथ के निर्देश हैं कि सुबह 10 बजे से 12 बजे तक अधिकारी कार्यालय में बैठकर शिकायतों को सुनें और उनका निस्तारण कराएं, लेकिन इस समय अधिकारी बैठक या न्यायालय में वादों की सुनवाई में व्यस्त नजर आते हैं, ऐसे में समस्या लेकर आने वाले लोगों को साहब से समस्या बताने के लिए इंतजार करना पड़ता है।

वैसे, बरामदे में मौजूद इन शिकायत करने वालों से अर्दली ने कई बार अपनी समस्या स्टेनो से बताने को कहा, लेकिन शिकायत का हल पाने के लिए इंतजार कर रहे लोगों ने साहब से ही मिलने की बात कही।

बैठक समाप्त होते ही बरामदे में मौजूद शिकायतकर्ताओं को एडीएम वित्त– राजस्व डॉ. पंकज कुमार वर्मा ने एक ही बार में कार्यालय में बुलवा लिया। एक–एक करके सभी की समस्या सुनीं। कुछ शिकायतों को लेकर उन्होंने संबंधित अधिकारियों को मोबाइल के माध्यम से आवश्यक निर्देश भी दिए। शिकायतकर्ता से कहा कि समस्या वाली का निदान नहीं होने पर उनको जरूर बताएं। अधिकारी की इस सहज सुनवाई से शिकायतकर्ता संतुष्ट दिखे।

अधिकारी से मुलाकात से ही संतुष्टि

वृंदावन स्थित बांकेबिहारी मंदिर से जुड़ी वेतन की शिकायत लेकर आए गोपाल गोस्वामी का कहना था कि वह अपनी शिकायत अधिकारी से बताएंगे, ऐसे में कुछ इंतजार भी कर सकते हैं। वहीं, शहर की गौरी ने बताया कि अधिकारी से शिकायत करने से मन को संतुष्टि मिल जाती है।

शिकायतकर्ता को निदान देना वरीयता: डीएम

डीएम सीपी सिंह का कहना है कि समय की कोई सीमा नहीं है, फरियादी किसी समय आ सकता है। वैसे, वह स्वयं सुबह 11 बजे से दोपहर एक बजे तक समस्या सुनते हैं। उनका उद्देश्य समस्या ही सुनना नहीं, फरियादी को संतुष्ट करना होता है।

शिकायत सुनने को बैठते हैं अधिकारी

शिकायत लेकर आने वाले लोगों की डीएम कार्यालय समय में शिकायत सुनने की भी व्यवस्था है। गुरुवार को डीएम सीपी सिंह कुछ समय के लिए न्यायालय में वाद सुनने चले गए। ऐसे समय में डिप्टी कलक्टर चंद्र भूषण प्रताप सिंह ने शिकायतों को सुना।

स्वगणना पोर्टल पर जानकारी भरने में अटक रहे लोग

तकनीकी और व्यावहारिक समस्याओं से हो रही परेशानी

पोर्टल पर हेल्पलाइन नंबर नहीं होने से आ रही समस्या

यूनिक समय, मथुरा। सात मई से शुरू हुआ स्व-गणना का काम तकनीकी और व्यावहारिक समस्याओं में उलझ रहा है। पोर्टल पर 33 बिंदुओं पर मांगी गई जानकारी समझने और सही तरीके से भरने के लिए कोई स्पष्ट मार्गदर्शन नहीं है। पोर्टल पर कहीं भी हेल्पलाइन नंबर या सहायता केंद्र का उल्लेख नहीं किया गया है। जिले में 21 मई तक स्व-गणना का काम चलेगा। इसके बाद जनगणना शुरू होगी। अब चल रही स्वगणना को लेकर लोगों ने बताया कि इसमें कई प्रश्न ऐसे हैं, जिनकी स्थिति स्पष्ट नहीं हो पा रही। परिवार की परिभाषा, निवास स्थान और संपत्ति संबंधी विवरण भरने में भ्रम की स्थिति है। यदि शुरुआत में भाषा चयन में गलती हो जाए तो उसे बाद में बदलने की कोई सुविधा नहीं है। कई बार पोर्टल धीमा होता है। गूगल मैप पर घर की सही लोकेशन पिन करना भी चुनौती बना हुआ है। ग्रामीण क्षेत्रों में इंटरनेट की कमजोर उपलब्धता और डिजिटल जानकारी के अभाव के कारण परेशानी और बढ़ गई है। कई लोग परिचितों की मदद लेकर प्रक्रिया पूरी कर रहे हैं।

जनगणना नियमों के अनुसार, एक साथ रहने वाले और एक ही रसोई में भोजन करने वाले लोगों को एक परिवार माना जाएगा। परिवार की गिनती के लिए साझा रसोई को ही मुख्य आधार बनाया गया है। वहीं मकान उसे माना जाएगा, जिसमें आंगन, सड़क या सीढ़ी से अलग स्वतंत्र मुख्य प्रवेश द्वार हो, जोकि लोगों के लिए भ्रम पैदा कर रही है। दामोदर पुरा के गौरव ने बताया कि वह गांव से बाहर रहकर निजी कंपनी में काम करते हैं। गांव में घर है, उनका और बच्चों के सभी दस्तावेज गांव के हैं। अब यह स्पष्ट नहीं हो पा रहा कि मेरी गणना वहां होगी या गांव में। एडीएम वित्त– राजस्व डॉ. पंकज कुमार वर्मा ने बताया कि स्वगणना से पहले भाषा और ओटीपी का ध्यान रखना जरूरी है। दिशा–निर्देश का पालन करने से यह आसानी से पूरा होता है।

महिला यात्री की ट्रेन में बीमारी से हुई मौत

यूनिक समय, मथुरा। मुंबई से दिल्ली जा रही साप्ताहिक पुरी सुपर फॉस्ट ट्रेन में यात्रा के दौरान एक महिला यात्री की बीमारी के चलते मौत हो गई।

बताया गया है कि सुनीता (63) पत्नी सतीश निवासी आर्दश नगर कॉलोनी 123 बटालियन पीएसी मुरादाबाद अपने बेटे आशीष के साथ मुंबई से चलने वाली साप्ताहिक सुपरफॉस्ट ट्रेन से दिल्ली के लिए यात्रा कर रही थी। सुनीता की अचानक तबियत खराब होने से ट्रेन में उसकी मौत हो गई। ट्रेन के मथुरा जंक्शन पर रुकने के बाद राजकीय रेलवे पुलिस ने शव को ट्रेन से उतारने के बाद पंचनामा कर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। आशीष का कहना है कि मां का पहले ब्रेन हेमरेज हो चुका है। उनका इलाज चल रहा था।

पारा 41 पार, तेज धूप और उमस भरी गर्मी से लोग तिलमिलाए

न्यूनतम तापमान भी पहुंचा 27 डिग्री सेल्सियस पर, दो दिन तक हल्के बादल देंगे राहत

यूनिक समय, मथुरा। एक दिन पहले आई हल्की आंधी के दूसरे दिन गुरुवार को उमस भरी गर्मी ने लोगों को बेहाल कर दिया। सुबह से चमकदार धूप निकली, लेकिन बयार बंद रहने से वातावरण में चिपचिपाहट बनी रही। दिनभर लोग पसीने और गर्मी से परेशान दिखे। दोपहर के समय बाजार और सड़कों पर आवाजाही कम नजर आई। वहीं, अधिकतम तापमान भी 40 डिग्री सेल्सियस को पार कर गया।

सुबह कुछ देर के लिए आसमान पर हल्के बादलों की मौजूदगी से मौसम राहत वाला बना हुआ था। जैसे ही दिन चढ़ने लगा, गर्मी का असर हो गया। दोपहर में तेज धूप आर बयार बंद होने से वातावरण में उमस हो गई, जिससे लोग परेशान रहे। शरीर से पसीना पटकता रहा।

गुरुवार दोपहर तेज धूप की वजह से सिर को दुपट्टा से ढक कर घर जाती छात्राएं।

मौसम विभाग के अनुसार, बीते 48 घंटों में जिले के न्यूनतम तापमान में करीब तीन डिग्री सेल्सियस की वृद्धि दर्ज की गई है, जबकि न्यूनतम तापमान भी 41 डिग्री सेल्सियस के पास पहुंच गया। अब आगामी दो दिन आसमान पर हल्के बादलों से कुछ राहत के आसार रहने का पूर्वानुमान जताया जा रहा है।

तापमान / मौसम

41 डिग्री सेल्सियस अधिकतम

27 डिग्री सेल्सियस न्यूनतम

सोना–चांदी भाव

सोना
24 कैरट 1,68,040
22 कैरट 1,54,050
(रेट प्रति 10 ग्राम में, जीएसटी समेत)

चांदी
3,11,000 प्रति किलो

यूनिक समय
स्वामी पवन गौतम के लिए, राजकुमार गौतम द्वारा दैनिक यूनिक समय, 6 शंकर विहार, कृष्णा नगर मथुरा 281004 से प्रकाशित एवं बालाजी ऑफसेट प्रिंटिंग प्रेस कृष्णा नगर, मथुरा से मुद्रित।
कार्यालय:– यूनिक बिल्डिंग, 289-290 डायविल नगर, कृष्णा नगर चौक, मथुरा।
संपादक–पवन गौतम
फोन नंबर–0565–2420150,
मो. 9837155888
E-mail : uniquesamaynews@gmail.com
website : uniquesamay.com
RNI-UPHIN/2023/85053
DAVP-: 134220
डाक पंजीकृत संख्या मथुरा 071/2026–28
सभी विवादों का न्यायालय स्थान मथुरा होगा।

चौबीस घंटे में किशोरी सहित तीन महिलाओं ने की आत्महत्या

किशोरी पड़ोस के लड़के से थी परेशान

भाई से फोन पर बात होने के दो घंटे बाद मिली मौत की खबर

यूनिक समय, मथुरा। जनपद में बीते चौबीस घंटों के अंदर एक किशोरी सहित तीन महिलाओं ने फंदा लगा कर अपनी जीवन लीला समाप्त कर ली। एक महिला के परिवार का आरोप है कि दो घंटे के अंदर ऐसा क्या हुआ कि उसने इस तरह का खतरनाक फैसला ले लिया।

थाना गोविंदनगर की चामुंडा कालोनी निवासी तरुण वर्मा की शादी बीएसए कालेज रोड जमुना नगर की रहने वाली जानकी वर्मा (25) के साथ आठ फरवरी 2026 को हुई थी। बताया गया कि कल 12:55 पर जानकी वर्मा ने अपने भाई कान्हा के साथ फोन पर बातचीत की थी। कन्हा का कहना है कि बहन ने बातचीत के दौरान किसी के गेट पर आने की बात कहते हुए बाद में बात करने कहा था। इसके बाद वह दरवाजा खोलने के लिए जाने को कह रही थी। इसके पश्चात उसने कब और कैसे फंदा लगा लिया। 12:55 और तीन बजे के बीच उसके साथ क्या हुआ। तीन बजे फोन पर बताया गया कि जानकी वर्मा की हालत चिंताजनक है और वह हॉस्पिटल में है। कन्हा का कहना है कि वह हॉस्पिटल पहुंचा तो बहन की हालत बेहद नाजुक थी। बाद में उसकी इलाज के दौरान मौत हो गई। कन्हा का कहना है कि उसकी बहन के साथ इतने समय के बीच ऐसा क्या हुआ कि उसने फांसी लगा ली। उसे आशंका है कि बहन के ससुरालवालों ने तो उसके साथ कुछ नहीं कर दिया। पुलिस को भी इसबारे में बताया गया। मौके पर पहुंची पुलिस ने शव का पंचनामा करने के बाद पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।

दूसरी घटना थाना वृंदावन में हुई। गोविंद घेरा (वृंदावन) में रहने वाले राजू पात्रा की पत्नी राधा पात्रा (26) ने बीती रात घर पर फंदा लगा लिया। महिला द्वारा फंदा लगाए जाने का पता लगने पर परिवार में हड़कंप मच गया। पुलिस को भी इस बारे में सूचना दी गई। मौके पर पहुंची पुलिस ने महिला के शव को फंदे से से उतरवाया और पंचनामा करने के बाद पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।

महिला ने फंदा किस कराण लगाया इस बारे में परिवार के लोगों का कहना है कि उन्हें इस बारे में कोई जानकारी नहीं है कि उसने ऐसा फैसला किस कारण लिया।

तीसरी वारदात थाना बल्देव के गांव नगला जमुनी में हुई। बताया गया है कि किशोरी को उसके पड़ोस का लड़का छेड़छाड़ कर परेशान करता था। इसके चलते वह काफी परेशान थी। युवक की हरकतों से तंग व परेशन होकर किशोरी ने फंदा लगा कर आत्महत्या कर ली। किशोरी का शव फंदे पर लटका देख घर में हड़कंप मच गया। पुलिस को भी इस बारे में सूचना दी गई। मौके पर पहुंची थाना बल्देव पुलिस ने शव का पंचनामा करने के बाद पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।

ट्रक की टक्कर से हाईवे पर पलटा भूसे से लदा ट्रॉला

सड़क पर फैले भूसे के चलते हाईवे पर लगा जाम

सात घंटे तक लगी रहीं वाहनों की लंबी कतारें

प्रशासनिक मशक्कत के बाद ही खुला रास्ता

हाईवे पर लगी वाहनों की लंबी कतार।

हाईवे पर पलटा हुआ भूसे से भरा ट्रॉला।

यूनिक समय, छाता, मथुरा। नेशनल हाईवे 19 पर बीती रात एक भूसे से भरे ट्रॉला के पलट जाने से हाईवे पर यातायात व्यवस्था पूरी तरह से ठप हो गई। घटना कोतवाली क्षेत्र के ग्राम सेमरी के समीप की है।

सोहना (तावडू) से वृंदावन जा रहे भूसे से भरे एक ट्रॉला को पीछे से आ रहे अज्ञात ट्रक ने जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि ट्रॉला बीच सड़क पर ही पलट गया और देखते ही देखते हाईवे के एक बड़े हिस्से पर भूसा बिखर गया। रात दो बजे हुई इस घटना के बाद से हाईवे पर अफरा-तफरीजैसा माहौल पैदा हो गया। बताया गया कि हादसे के बाद चालक मौके से भाग गए। बीच सड़क पर वाहन और भूसा होने के कारण आवाजाही पूरी तरह बाधित हो गई। सुबह होते-होते हाईवे पर कई किलोमीटर लंबा जाम लग गया, जिसमें सैंकड़ों यात्री और मालवाहक वाहन फंसे रहे।

घटना की सूचना मिलते ही स्थानीय पुलिस और टोल प्लाजा की रेस्क्यू टीमें मौके पर पहुँचीं। भारी मात्रा में फैले भूसे को हटाने के लिए मजदूरों और क्रेन की मदद लेनी पड़ी। लगभग सात घंटे की कड़ी मशक्कत और राहत कार्य के बाद सड़क को साफ किया जा सका। इसके बाद जाकर पुलिस ने यातायात को सुचारू रूप से शुरू कराया। काफी देर तक जाम में फंसे वाहनों में बच्चे और महिलाए भी थी। घटना के चलते लोगों को भारी दिक्कतों का सामना करना पड़ा। भूसे से भरे ट्रॉला को टक्कर मारने वाले ट्रक को पुलिस तलाश कर रही है।

दिल्ली-आगरा रेलवे ट्रैक पर मिला अज्ञात शव

यूनिक समय, मथुरा। थाना हाईवे क्षेत्र स्थित अलवर पुल के नीचे दिल्ली-आगरा रेलवे रेलवे लाइन से पुलिस को एक अज्ञात व्यक्ति का क्षत विक्षत शव मिला है। मृतक की शिनाख्त नहीं पाई है।

हाईवे थाना पुलिस को दिल्ली-आगरा रेलवे लाइन पर एक व्यक्ति का शव क्षत विक्षत हालत में पड़ा होने की सूचना मिली। मृतक की आयु करीब 27 साल लग रही थी। मौके पर पहुंची पुलिस ने शव की तलाशी ली। पुलिस ने इसके बाद मृतक की शिनाख्त कराने की कोशिश की।

शव की शिनाख्त दुष्यंत पुत्र दीनदयाल निवासी राजपुर थाना जैंत के रूप में हुई है। पुलिस ने मृतक युवक के परिवारीजनों को भी इस बारे में सूचना दे दी है। पुलिस ने शव का पंचनामा करने के बाद पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है।

खनन माफिया और ग्रामीणों में हुई नौकझौंक

पुलिस ने माफिया पर कार्रवाई न कर ग्रामीणों को धमकाया

मंत्री प्रतिनिधि ने दिया आश्वासन खनन नहीं होगा बर्दाश्त

आरोप: शिकायत पर ग्रामीणों को ही पुलिस ने धमकाया, अब मंत्री प्रतिनिधि से लगाई गुहार

यूनिक समय, चौमुहां। थाना छाता कोतवाली की केडी चौकी क्षेत्र के गांव तरोली में अवैध मिट्टी खनन को लेकर बीती रात माहौल गरमा गया है। खनन माफिया और ग्रामीणों के बीच जमकर विवाद हुआ। ग्रामीणों का आरोप है कि मौके पर पहुंची पुलिस ने माफिया के खिलाफ कार्रवाई करने की बजाय ग्रामीणों को ही हड़का दिया। ग्रामीण इस मामले में पुलिस के खिलाफ कार्रवाई करने के लिए केविनेट मंत्री के प्रतिनिधि नरदेव से मिलेंगे।

ग्रामीणों ने बताया कि क्षेत्र में रात भर मिट्टी के अवैध खनन का खेल चल रहा है। मिट्टी से भरे वाहन प्रेशर हॉर्न बजाते हुए हाईवे और गांव के बीच से फर्राटा भरते हुए गुजरते हैं। इस तरह गुजरते वाहनों से ग्रामीण भयभीत रहते हैं। ग्रामीण वीरेंद्र ने बताया कि इन वाहनों के कारण हर समय बड़े हादसे का डर बना रहता है। बताया गया कि रात्रि को जब ग्रामीणों ने इसका विरोध किया तो खनन माफिया ने अपने साथियों को बुलाकर ग्रामीणों से झगड़ा शुरू कर दिया। ग्रामीणों ने इस बारे में सूचना पर डायल 112 और केडी चौकी पुलिस को दी। मौके पर पुलिस भी पहुंच गई। ग्रामीणों का आरोप है कि केडी पुलिस ने कार्रवाई करने के बजाय उन्हें ही डराया-धमकाया। सुबह जब ग्रामीण अपनी शिकायत लेकर छाता कोतवाली पहुंचे तो वहां भी उनकी कोई सुनवाई नहीं की गई। इस दौरान मौके पर हुई नोकझोंक का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है।

पुलिस द्वारा कार्रवाई न किए जाने से आक्रोशित ग्रामीण मंत्री प्रतिनिधि नरदेव चौधरी के पास पहुंचे। ग्रामीणों ने पुलिस की संलिप्तता और खनन माफिया की दबंगई के बारे में नरदेव चौधरी को बताया। मंत्री प्रतिनिधि ने ग्रामीणों को आश्वस्त किया कि क्षेत्र में अवैध काम बर्दाश्त नहीं किया जाएगा।

महिला को जिंदा जलाने का प्रयास, हालत नाजुक

पैसे के मामले में महिला को ज्वलनशील पदार्थ डाल लगाई आग

महिला का आगरा में चल रहा है इलाज

यूनिक समय, मथुरा। थाना यमुनापार के लक्ष्मीनगर इलाके में पैसे के लेनदेन को लेकर एक महिला को दूसरी महिला ने ज्वलनशील पदार्थ डालकर जिंदा जलाने की कोशिश की। झुलसी महिला की हालत चिंताजनक होने पर उसे आगरा के लिए रैफर कर दिया।

बताया गया कि बुधवार की दोपहर करीब साढ़े तीन बजे लक्ष्मीनगर में रहने वाली महिला आशा को वहीं रहने वाली महिला नीलम ने पैसे के लेनदेन के मामले में अपने घर बुलाया था। आशा का कहना है कि घर बुलाने के बाद नीलम ने उसके साथ अभद्र व्यवहार किया और जाति सूचक शब्दों का प्रयोग कर अपमानित किया। इसके बाद नीलम ने उस पर ज्वलनशील पदार्थ डालकर आग लगा दी। आग से जलती महिला के शोर करने पर इलाके में हड़कंप मच गया। हर कोई जलती महिला को देख रहा था। किसी ने पुलिस को भी इस बारे में फोन किया। मौके पर पहुंची पुलिस और स्थानीय लोगों ने महिला के शरीर में लगी आग को बुझाया। पुलिस ने आग से बुरी तरह झुलसी आशा को अस्पताल पहुंचाया। चिकित्सकों ने उसे प्राथमिक उपचार देने के बाद आगरा के लिए रैफर कर दिया। आग से महिला 50 प्रतिशत तक जल गई है। थाना प्रभारी निरीक्षक विदेश कुमार का कहना है कि मामला प्रथम द्दष्टा पैसे के लेनदेन से जुड़ा मालूम हो रहा है। जली महिला का आगरा में उपचार चल रहा है। इस मामले में अभी कोई तहरीर नहीं मिली है। तहरीर मिलने पर कार्रवाई की जाएगी।

सुविधाएं बढ़ने से कम हो गए चौरासी कोस परिक्रमा के कदम

यूनिक समय, मथुरा। सुविधाओं में बढ़ोत्तरी होने से ब्रज चौरासी कोस परिक्रमा की दूरी भी कम हो गई है। गोकुल बैराज और बाद गांव के समीप यमुना पर बन गए एक और पुल ने यात्रा की दूरी को करीब चार कोस और कम कर दिया। अब परिक्रमार्थी गर्गाचार्य आश्रम के परिक्रमा करने के बजाय सहज मार्ग अपनाते है। ऐसे में परिक्रमा का महत्व भी कम हुआ है।

दो दशक पहले तक ब्रज चौरासी कोस परिक्रमा करने वाले श्रद्धालु बल्देव के गांव खड़ेरा के पास से यमुना नदी को पार करने के बाद दूसरे किनारे पर मौजूद फरह क्षेत्र के गांव गढ़ाया स्थित ऋषि गर्गाचाय आश्रम होकर आगे बढ़ते थे। गर्गाचाय मंदिर से होकर श्रद्धालु फरह के गांव झंडीपुर, शाहपुर, बलरई, सुल्तानपुर, नगला ग्यासी होते हुए गांव अगनपुरा से परिक्रमा को पूरा करने को आगे बढ़ते थे। इसके लिए श्रद्धालुओं को गांव खड़ेरा से यमुना नदी पार करने के लिए नाव का सहारा लेना होता था। गांव गढ़ाया के

रूपकिशोर शर्मा का कहना है कि ब्रज चौरासी कोस परिक्रमा के लिए खड़ेरा से गढ़ाया के मध्य यमुना नदी पर पौंटून पुल बनाया जाए, जिससे 84 कोस की पूरी परिक्रमा हो सके।

यमुना किनारे मौजूद हैं अवशेष

ऋषि गर्गाचार्य के प्राचीन आश्रम के अवशेष आज भी यमुना किनारे मौजूद हैं, गांव गढ़ाया में मंदिर भी स्थापित है। गर्गाचार्य मुनि (गर्ग ऋषि) वैदिक काल के प्रसिद्ध ब्राह्मण, खगोलशास्त्री और यदुवंश के कुलगुरु थे। गर्गाचार्य ने भगवान शिव की तपस्या कर ज्योतिष और चौसठ कलाओं का ज्ञान प्राप्त किया था। गर्गाचार्य ने ही नंदबाबा के घर जाकर भगवान श्री कृष्ण और बलराम का नामकरण संस्कार गुप्त रूप से किया था। वे यदुवंश के कुलगुरु थे, द्वारिकाधीश श्रीकृष्ण के राजगुरु के रूप में प्रतिष्ठित थे। उन्होंने ज्योतिष और कृष्ण लीला पर आधारित गर्ग संहिता नामक प्रसिद्ध ग्रंथ की रचना की।

अब गर्गाचार्य आश्रम के बजाय परिक्रमार्थी निकलते हैं बैराज से

करीब चार कोस की परिक्रमा कम होने से महत्व भी हुआ कम

पुल नहीं होने से दूर हो गए श्रद्धालु

यमुना नदी को नाव से पार करने के लिए इंतजार करने वाले श्रद्धालु गांव गढ़ाया के पास पुल नहीं होने से परिक्रमा को पीछे छोड़ने लगे। गोकुल बैराज बनने के बाद श्रद्धालु यहां से अगनपुरा निकलने लगे। अब यमुना नदी पर बाद गांव से गुजर रहे बरेली हाईवे को लेकर यमुना नदी पर पुल बन गया है, ऐसे में यात्री बल्देव से बाद होकर अगनपुरा की ओर पग बढ़ाते दिखेंगे। इसकी वजह टाउनशिप के समीप हाईवे पर समपार की व्यवस्था बंद होना भी है।

मंदिर की जमीन पर भू–माफिया का कब्जा

महंत ने उप–मुख्यमंत्री से लगाई सुरक्षा की गुहार

यूनिक समय, चौमुहाँ। ब्लॉक के गांव अकबरपुर स्थित ठाकुर श्री गोपाल जी महाराज विराजमान मंदिर के महंत राधाचरण दास ने प्रदेश के उप–मुख्यमंत्री को पत्र लिखकर भू–माफिया से अपनी जान और मंदिर की संपत्ति बचाने की अपील की है।

शिकायती पत्र में मंदिर के महंत ने ठाकुर जी की सेवा के लिए मदनमोहन दास को बतौर पुजारी नियुक्त किया था। आरोप है कि इस पुजारी ने क्षेत्र के कुछ दबंग भू–माफियाओं और गुंडा किस्म के व्यक्तियों के साथ साठगांठ कर ली है। महंत का दावा है कि पुजारी ने मंदिर की कीमती जमीन को गुपचुप तरीके से पट्टे पर उठा दिया है और सेवायती अधिकारों का गलत इस्तेमाल कर रहा है। महंत ने इन अवैध गतिविधियों का विरोध किया तो उन्हें मंदिर में प्रवेश करने से रोक दिया गया। आरोप है कि पुजारी और उसके सहयोगियों ने महंत को धमकी दी है कि यदि वे जमीन के पट्टे की पैरवी करने आए तो उन्हें जान से मार दिया जाएगा। महंत ने मंदिर की जमीन को अवैध कब्जे और भू–माफिया से मुक्त कराने, महंत को मंदिर में पूजा–आरती और कृषि कार्य करने के लिए सुरक्षा प्रदान करने की मांग की है।

श्रीमद्भागवत कथा में श्रीकृष्ण–रुक्मिणी विवाह प्रसंग सुन श्रद्धालु हुए भावविभोर

यूनिक समय, गोवर्धन। ग्राम जुल्हेंदी स्थित दुर्गा माता मंदिर में चल रही श्रीमद्भागवत कथा एवं भक्ति सत्संग के छठे दिन श्रद्धालु भक्ति रस में डूब गए। कथा के दौरान श्रीकृष्ण–रुक्मिणी विवाह प्रसंग का संगीतमय एवं भावपूर्ण वर्णन किया गया। बृहस्पतिवार को कथाव्यास ब्रजरत्न ब्रजवासी जगद्गुरु कृष्ण कन्हैया पदरेनू महाराज ने रास पंचाध्यायी का महत्व बताते हुए कहा कि भागवत के पंच गीत उसके पंच प्राण हैं। जो श्रद्धालु इन गीतों का भावपूर्वक गायन करता है, उसे सहज ही वृंदावन भक्ति की प्राप्ति होती है। कथा में भगवान श्रीकृष्ण के मथुरा प्रस्थान, कंस वध, महर्षि संदीपनी आश्रम में शिक्षा ग्रहण, कालयवन वध, उद्धव–गोपी संवाद, द्वारका स्थापना एवं रुक्मिणी विवाह प्रसंग का मार्मिक वर्णन किया गया।

इस अवसर पर अखिल भारतवर्षीय ब्राह्मण महासभा के संगठन मंत्री वीर पाल मिश्रा, ईश्वर चंद रावत, राजेश पहलवान, विष्णु शर्मा, गोवर्धन, कृष्ण गोपाल शर्मा आदि ने कथाव्यास का अंगवस्त्र एवं स्मृति चिन्ह भेंट कर स्वागत किया। इस खबर को सही करके हेडिंग सहित बनाकर चाहिए।

जलभराव से जनता बेहाल

गंदे पानी और कीचड़ से होकर गुजरने को मजबूर

जामा मस्जिद क्षेत्र में गंदगी और बदबू से बढ़ी परेशानी

यूनिक समय, राया। योगी सरकार जहां प्रदेश में विकास और स्वच्छता के बड़े–बड़े दावे कर रही है, वहीं राया कस्बा के मोहल्ला जामा मस्जिद क्षेत्र की तस्वीर उन दावों की हकीकत बयां करती नजर आ रही है। कई दिन से सड़क और गलियों में भरा गंदा पानी स्थानीय लोगों, नमाजियों और राहगीरों के लिए बड़ी परेशानी बना हुआ है।

जामा मस्जिद के आसपास जलभराव के कारण हालात लगातार खराब होते जा रहे हैं। क्षेत्र में फैली बदबू से लोगों का घरों में रहना तक मुश्किल हो गया है। नमाजी लोग मस्जिद तक पहुंचने के लिए गंदे पानी और कीचड़ से होकर गुजरने को मजबूर हैं, जबकि राहगीरों को भी आने–जाने में भारी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। स्थानीय लोगों का कहना है कि जल निकासी की कोई ठोस व्यवस्था नहीं होने के कारण गंदा पानी सड़कों पर जमा है। कई जगहों पर सड़कें तालाब जैसी दिखाई दे रही हैं। बच्चे, बुजुर्ग और महिलाएं सबसे ज्यादा परेशान हैं। गंदगी और मच्छरों के बढ़ते प्रकोप से बीमारी फैलने का खतरा भी बढ़ गया है। लोगों का आरोप है कि कई बार शिकायत करने के बावजूद जिम्मेदार अधिकारी केवल आश्वासन दे रहे हैं, लेकिन समस्या का समाधान अब तक नहीं हो पाया। क्षेत्रवासियों ने प्रशासन से जल्द जल निकासी की व्यवस्था कराने की मांग की है ताकि लोगों को इस गंभीर समस्या से राहत मिल सके। क्षेत्रवासियों ने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ और जिला प्रशासन से मांग की है कि तत्काल प्रभाव से जल निकासी की व्यवस्था कराई जाए और लापरवाही बरतने वालों पर कार्रवाई हो।

गाय के महत्व को समझना होगा, समाज को भी समझाना होगा: केशव

यूनिक समय, फरह। गो ग्राम परखम में आधा दर्जन प्रकल्पों का ई–लोकार्पण करने आए उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने मौजूद लोगों से गाय के महत्व को समझनने कहा। उन्होंने कहा कि गाय के महत्व को हम समझेंगे, तभी समाज को समझा पाएंगे। आज गोमाता की गर्दन पर खंजर नहीं चल सकता है।

दीनदयाल कामधेनु गोशाला के नवधा सभागार में मौजूद लोगों को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि पं. दीनदयाल उपाध्याय को यह देश ही नहीं, संपूर्ण विश्व जानता है, आज उन्हीं के नाम पर इस गांव में समाज के कल्याण के लिए बहुत सारे प्रकल्प संचालित हो रहे हैं। एक दिन यह संसार का सर्वश्रेष्ठ अनुसंधान केंद्र बनेगा।

उपमुख्यमंत्री ने लोगों से अनुरोध करते हुए कहा कि प्रधानमंत्री मोदी ने विदेशी मुद्रा बचाने का जो आग्रह किया है, उसका आप सभी पालन कर सहयोग करें।

संघ के अखिल भारतीय सह सेवा प्रमुख राजकुमार मटाले ने कहा कि परिवर्तन ही जीवंता का लक्षण है। समाज के सकारात्मक कार्यों से ही समाज का निर्माण होता है। भारत की आत्मा धर्म है और यहां पर चलने वाला यह कार्य धर्म का कार्य है।

निरंजन पीठाधीश्वर आचार्य महामंडलेश्व डॉ. स्वामी कैलाशानन्द गिरि ने आशीर्वचन देते हुए कहा कि शरीर को पवित्र करने के लिए गाय माता की सेवा से बड़ा कोई धर्म नहीं है। कथावाचक विजय कौशल ने कहा कि सभी लोग गायों को चारागाह में चराने की व्यवस्था करें। गऊ और चारागाह अधिक होने चाहिए, तभी गाय पालन की सार्थकता होगी। इससे पूर्व कार्यक्रम का शुभारंभ अतिथियों ने गोमाता के चित्रपट के समक्ष मंत्र के साथ दीप प्रज्ज्वलित करके किया। समिति पदाधिकारियों ने अतिथियों को प्रतीक चिह्न देकर सम्मानित किया गया।

इस अवसर पर किशन मोहन शर्मा और सुमित्रा शर्मा का विशेष सम्मान किया गया। कार्यक्रम की प्रस्तावना कामधेनु गोशाला समिति के मंत्री हरिशंकर शर्मा ने रखी, संचालन डॉ. अनुराग शर्मा ने और धन्यवाद ज्ञापन सतीश अवाना ने किया।

गो ग्राम परखम स्थित दीनदयाल कामधेनु गोशाला में विभिन्न प्रकल्पों के लिए पूजन करते समिति के पदाधिकारी।

उप मुख्यमंत्री ने गो ग्राम परखम में किया आधा दर्जन प्रकल्पों का ई–लोकार्पण

दीनदयाल गो विज्ञान–अनुसंधान केंद्र बनेगा विश्व का सर्वश्रेष्ठ अनुसंधान केंद्र

कार्यक्रम में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के डॉ. दिनेश, संयोजक अजित महापात्रा, क्षेत्र प्रचारक महेंद्र शर्मा, क्षेत्र संपर्क प्रमुख हरीश रौतेला, केंद्रीय मंत्री एसपी सिंह बघेल, उच्च शिक्षा मंत्री योगेंद्र उपाध्याय, केशवधाम के निदेशक ललित कुमार, निदेशक सोनपाल, क्षेत्र प्रचार प्रमुख कीर्ति कुमार, पूर्व कुलपति केएलएल पाठक, प्रांत प्रचारक धर्मेंद्र, शशांक भाटिया, पूर्व केंद्रीय मंत्री रामशंकर कठेरिया, महापौर विनोद अग्रवाल, जिला पंचायत अध्यक्ष किशन चौधरी, ऋषि पाल, मीडिया प्रमुख मुकेश शर्मा, क्षेत्रीय अध्यक्ष दुर्विजय सिंह शाक्य, कारिंदा सिंह, पूर्व मंत्री रविकांत गर्ग, नरेंद्र पाठक, अमित जैन, राम पाठक आदि उपस्थित रहे।

चतुर्वेदी समाज के त्रिवार्षिक चुनाव सदस्यता अभियान में प्रवासी भारतीयों की सहभागिता

यूनिक समय, मथुरा। माथुर चतुर्वेद परिषद के त्रिवार्षिक चुनाव के लिए संचालित सदस्यता अभियान एवं मतदाता सूची पुनरीक्षण कार्य अब वैश्विक स्तर पर विस्तार ले रहा है। समाज के इस महत्वपूर्ण कार्य में देश–विदेश में रह रहे बंधुओं को जोड़ने के लिए विभिन्न क्षेत्रों के प्रभारियों की घोषणा की गई है। माथुर चतुर्वेद परिषद के मुख्य संरक्षक एवं अखिल भारतीय तीर्थ पुरोहित महासभा के मुख्य संरक्षक महेश पाठक निर्देशानुसार, परिषद के महामंत्री राकेश तिवारी एडवोकेट ने समाज के त्रिवार्षिक चुनाव के लिए सदस्यता अभियान को गति देने के लिए निम्नलिखित दायित्व सौंपे गए हैं।

यूके से मोहित अनंत चतुर्वेदी, यूएसए से निकुंज संजय चतुर्वेदी, दुबई से नीतेद्र चतुर्वेदी नीतू एवं मधुरम चतुर्वेदी को नामित किया गया है, वहीं भारत के विभिन्न महानगरों जैसे मुंबई से दिलीप चतुर्वेदी डब्बू एवं बनवारी चतुर्वेदी पाओ, गुजरात से अमित अरविंद पाठक एवं सत्यम चतुर्वेदी, दिल्ली से अनुराग चतुर्वेदी व संजय चतुर्वेदी आदि को सदस्यता अभियान को सुव्यवस्थित करने के लिए नामित किया गया है, जो समाज के सदस्यों से संपर्क कर उनका विवरण संकलित करेंगे।

मतदाता सूची की तैयारी को देखते हुए सभी सदस्य अपनी जानकारी 25 मई की निर्धारित तिथि तक परिषद कार्यालय को प्रेषित कर दें।

बेटे की गुमशुदगी दर्ज कराने को पिता काटता रहा चक्कर

पुलिस ने लावारिस में कर दिया अंतिम संस्कार

यूनिक समय, मथुरा। थाना हाईवे की एटीवीनगर अजय नगर फेस टू से डाक्टर के फोन पर घर से 17 अप्रैल को गए युवक के परिवार के लोगों ने उसकी गुमशुदगी दर्ज कराने के बाद भी परिवार को पुलिस ने युवक का शव बरामद करने के बाद लावारिस के रूप में उसका अंतिम संस्कार कर दिया। इस मामले को लेकर एसएसपी से परिवार और कॉलोनी के लोगों ने मुलाकात की। एसएसपी ने मामले की जांच के आदेश दिए हैं।

एसएसपी से अपनी बात कहते परिवार के लोगों के साथ कॉलोनी के लोग।

अजय नगर कालोनी फेस टू में रहने वाले भगवानदास ने बताया कि उसके बेटा पिंटू कुमार कंपाउंडर के रूप में काम करता था। वह जिला अस्पताल में कार्यरत डॉक्टर अमर सिंह के पास प्राइवेट काम करता था। 17 अप्रैल को प्रातः उसके बेटे के पास डॉक्टर का फोन आया। डॉक्टर ने उसे बुलाया था। वह बाइक से डॉक्टर के यहां जाने की कह कर घर से निकला था। इसके बाद वह घर नहीं लौटा। इसके बाद उसकी तलाश करने पर उसकी बाइक और मोबाइल लक्ष्मीनगर में रहने वाले एक दोस्त के घर पर मिले। बताया गया कि वह बाइक को खड़ी करने के बाद मोबाइल को चार्जिंग पर लगा कर चला गया। इसके बाद वह नहीं लौटा। परिवार के लोगों ने हाईवे थाने पर इस बारे में सूचना दी। पुलिस ने पीड़ित को थाना यमुनापार भेज दिया। इस तरह पिता इधर-उधर भटकता रहा, लेकिन बेटे की गुमशुदगी किसी ने नहीं लिखी। कई दिन बाद हाईवे पुलिस ने उसकी तहरीर ले ली।

बताया गया कि इसी बीच थाना यमुनापार इलाके में अज्ञात युवक का शव मिला था। पुलिस ने उसका पोस्टमार्टम कराने के बाद लावारिस के

बाद में शिनाख्त होने पर एसएसपी से की गई शिकायत

रूप में अंतिम संस्कार कर दिया। पिता का आरोप है कि उसे पुलिस ने शव मिलने की जानकारी तक नहीं दी। बाद में पता लगने पर मरने वाले अज्ञात युवक की शिनाख्त पिंटू के रूप में परिवारीजनों ने की है। पिंटू की मौत से परिवार का रो-रोकर बुराहाल है। आज पीड़ित परिवार कॉलोनी के रहने वालों लोगों के साथ एसएसपी कार्यालय पर आया और एसएसपी से इस मामले में डॉक्टर से पूछताछ करने और पुलिस द्वारा बरती गई लापरवाही के लिए प्रार्थना पत्र दिया। एसएसपी ने मामले की जांच के आदेश दिए हैं।

पुलिस ने शुरू किया अतिक्रमण हटाओ अभियान

पुरषोत्तम मास मेले से पहले कस्बा में पुलिस व तहसील प्रशासन ने चलाया अतिक्रमण अभियान।

दुकानदारों में मचा हड़कंप

यूनिक समय, गोवर्धन। पुरषोत्तम मास मेले की तैयारियों को लेकर प्रशासन पूरी तरह सतर्क नजर आ रहा है। 17 मई से शुरू होने वाले मेले को देखते हुए पुलिस एवं तहसील प्रशासन द्वारा गोवर्धन कस्बा के मुख्य मार्गों पर अतिक्रमण हटाओ अभियान चलाया गया। प्रशासन की सख्त कार्रवाई से अतिक्रमण करने वाले दुकानदारों में हड़कंप मच गया। क्षेत्राधिकारी गोवर्धन अनिल कुमार सिंह, नायब तहसीलदार जयंती मिश्रा, प्रभारी निरीक्षक भगवत सिंह गुर्जर तथा नगर पंचायत कर्मचारियों की संयुक्त टीम ने डीग अड्डा से एकता चौराहा तक अभियान चलाकर मार्ग को अतिक्रमण मुक्त कराया। अभियान के दौरान सड़क किनारे रखे तख्त, कुर्सियां, टीन-शेड, त्रिपाल एवं अन्य सामान हटवाया गया। नगर पंचायत की टीम ने कई सामानों को ट्रैक्टर-ट्रॉली में भरकर जब्त भी किया। वहीं कार्रवाई से नाराज कुछ दुकानदारों ने प्रशासन पर बिना पूर्व सूचना के अभियान चलाने का आरोप लगाया। दुकानदारों का कहना था कि प्रशासन ने अचानक कार्रवाई करते हुए उनके त्रिपाल फाड़ दिए तथा दुकानों का सामान जबरन उठाकर ले गया, जिससे छोटे व्यापारियों को आर्थिक नुकसान हुआ है।

मोबाइल चोर गिरफ्तार, चोरी के दो मोबाइल बरामद

यूनिक समय, मथुरा। राजकीय रेलवे पुलिस ने रेलवे स्टेशन पर चेकिंग के दौरान अभियुक्त पंकज निवासी उंट वाली गली भरतपुर गेट को चोरी के दो मोबाइलों के साथ गिरफ्तार किया है।

प्लाट के विवाद में दंपति और परिजनों को पीटा

यूनिक समय, फरह। थाना क्षेत्र के गांव झुड़ावई में नामजद आरोपियों ने दंपति और उसके परिजन को मारपीट कर घायल कर दिया। आरोप है कि महिला से छेड़खानी भी की गई। पुलिस मुकदमा दर्ज कर आरोपितों की तलाश में जुटी है। गांव झुड़ावई निवासी दीनदयाल ने बताया कि उसने आगरा, बोदला निवासी मंजू से गांव में एक प्लाट खरीदा है। 12 मई को सुबह 10 बजे उसकी पत्नी और मां प्लाट पर गईं। प्लाट के पड़ोस में रहने वाले हाकिम, लक्खो, श्यामसुंदर, ग्यानो गाली-गलौज करते हुए धमकी देने लगे। महिलाओं ने गाली देने से मना किया तो आरोपियों ने पत्नी से छेड़खानी कर दोनों को पीट दिया। जानकारी पर वह अपने भाई, बहन के साथ बचाने पहुंचा तो आरोपियों ने उनसे भी मारपीट कर दी। विपक्षियों की पिटाई से वह घायल हो गए। प्रभारी निरीक्षक छोटेलाल ने बताया कि प्रकरण में मुकदमा दर्ज कर लिया है, जांच की जा रही है।

सीबीएसई बोर्ड के होनहार विद्यार्थी

खुशी	चंचल पांडेय	निशा	नेहा	प्रिंस
97%	95.4%	94.8%	92%	91.8%
बाबा कढेरा सिंह स्कूल	बाबा कढेरा सिंह स्कूल	बाबा कढेरा सिंह स्कूल	बाबा कढेरा सिंह स्कूल	बाबा कढेरा सिंह स्कूल

सीबीएसई परीक्षा परिणाम में छात्रों का शानदार प्रदर्शन

12वीं के सीबीएसई बोर्ड में उत्कृष्ट प्रदर्शन कर अध्यापकों के साथ खुशी मनाते कान्हा माखन स्कूल के छात्र-छात्राएं।

यूनिक समय, मथुरा। जिले के प्रतिष्ठित शिक्षण संस्थानों ने सीबीएसई बोर्ड परीक्षा 2025-26 में शानदार प्रदर्शन कर शिक्षा जगत में नई पहचान बनाई। शहर के कान्हा माखन ग्रुप ऑफ स्कूल्स और ग्रामीण क्षेत्र के बाबा कढेरा सिंह विद्या मंदिर, अक्खा-सौंख के विद्यार्थियों ने उत्कृष्ट अंक प्राप्त कर विद्यालयों का गौरव बढ़ाया। परीक्षा परिणाम घोषित होने के बाद विद्यालयों में खुशी का माहौल रहा और विद्यार्थियों का मिष्ठान वितरण कर सम्मान किया गया।

कान्हा माखन ग्रुप ऑफ स्कूल्स की वृंदावन शाखा की छात्रा श्रेया वार्ष्णेय ने कॉमर्स वर्ग में 97.8 प्रतिशत अंक प्राप्त कर सर्वोच्च स्थान हासिल किया। मेन ब्रांच की गरिमा अग्रवाल ने 96.8 प्रतिशत और कान्हा माखन मिलेनियम स्कूल की हीर भाटिया ने 95.6 प्रतिशत अंक प्राप्त किए। साइंस वर्ग में बाद शाखा के छात्र रिदिम अग्रवाल ने 95.4 प्रतिशत अंक अर्जित किए।

विद्यालय प्रबंध समिति के अध्यक्ष अनिल अग्रवाल, सचिव सुनील अग्रवाल तथा समिति के सदस्य मनीष अग्रवाल, शुभम अग्रवाल, ललित अग्रवाल, हिमांशु अग्रवाल, पुनीत अग्रवाल, आकाश अग्रवाल और प्रतीक अग्रवाल ने विद्यार्थियों को शुभकामनाएं देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की

कान्हा माखन स्कूल और बाबा कढेरा सिंह विद्या मंदिर ने रचा सफलता का इतिहास

कामना की। प्राचार्या विनय शर्मा, प्राचार्य प्रमोद शर्मा और पवन चौधरी ने भी विद्यार्थियों की सफलता पर प्रसन्नता व्यक्त की। वहीं बाबा कढेरा सिंह विद्या मंदिर का परीक्षा परिणाम शत-प्रतिशत रहा। 85 विद्यार्थियों ने मेरिट में स्थान बनाया और 20 छात्रों ने 90 प्रतिशत से अधिक अंक हासिल किए। कला संकाय की छात्रा खुशी ने 97 प्रतिशत अंक प्राप्त कर प्रथम स्थान हासिल किया। विद्यालय प्रबंधन ने विद्यार्थियों, शिक्षकों और अभिभावकों को इस सफलता का श्रेय दिया।

विद्यालय के चेयरमैन सुरेश सिंह ने विद्यार्थियों की सफलता का श्रेय उनके परिश्रम, लगन, अभिभावकों और शिक्षकों को दिया। इस अवसर पर प्रबंधक प्रह्लाद सिंह, एसवी सिंह, बीरपाल प्रधान, प्राचार्य देवाशीष सेन, उपप्राचार्य रामबाबू, हेडमास्टर सुरेंद्र सिंह, कोऑर्डिनेटर बिपिन सिंह, डॉ. अशोक, रामबीर, जीएस सदानंद शर्मा, ओमप्रकाश, रोहताश, योगेश, चंद्रेश, राकेश रहिजा सहित सभी शिक्षक-शिक्षिकाएं और विद्यार्थी उपस्थित रहे।

नगर आयुक्त ने निर्माणाधीन सड़क का किया निरीक्षण

निर्माण कार्य में लापरवाही पर होगी सख्त कार्रवाई

यूनिक समय, मथुरा। शहर में सड़क व्यवस्था को बेहतर बनाने और नागरिकों को सुगम यातायात सुविधा उपलब्ध कराने के लिए बनाई जा रहीं सीएम ग्रीड्स योजना के अंतर्गत चल रहे विकास कार्यों की निगरानी लगातार की जा रही है। नगर आयुक्त जग प्रवेश ने कृष्णापुरी तिराहे से भरतपुर गेट तक निर्माणाधीन सड़क कार्य का स्थलीय निरीक्षण कर निर्माण कार्य की प्रगति और गुणवत्ता का जायजा लिया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने संबंधित अधिकारियों और कार्यदायी संस्था को आवश्यक दिशा-निर्देश भी देते हुए कहा कि सड़क निर्माण में प्रयोग की जा रही सामग्री, सड़क की मोटाई, जल निकासी व्यवस्था और निर्माण प्रक्रिया पर पूरा ध्यान देना जरूरी है।

निरीक्षण करते नगर आयुक्त जगप्रवेश।

उन्होंने कहा कि यह मार्ग शहर के प्रमुख मार्गों में शामिल है, जहां प्रतिदिन बड़ी संख्या में लोगों और वाहनों का आवागमन रहता है। ऐसे में सड़क निर्माण कार्य पूरी गुणवत्ता और मजबूती के साथ कराया जाना अत्यंत आवश्यक है, ताकि भविष्य में लोगों को किसी प्रकार की परेशानी का सामना न करना पड़े। उन्होंने कार्यदायी संस्था आरसीसी बिल्डर्स को स्पष्ट निर्देश दिए कि निर्माण कार्य निर्धारित समय सीमा के भीतर पूरा कराया जाए तथा गुणवत्ता मानकों का पूरी तरह पालन सुनिश्चित किया जाए।

नगर आयुक्त ने कहा कि किसी भी स्तर पर लापरवाही या गुणवत्ता में कमी पाए जाने पर संबंधित के खिलाफ

सीएम ग्रीड्स योजना के तहत तेजी से चल रहा निर्माण कार्य

कार्रवाई की जाएगी। नगर आयुक्त ने मुख्य अभियंता को नियमित रूप से निर्माण कार्य की निगरानी करने तथा समय-समय पर स्थल निरीक्षण सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि विकास कार्यों में पारदर्शिता और गुणवत्ता बनाए रखना नगर निगम की प्राथमिकता है और इसमें किसी प्रकार की ढिलाई स्वीकार नहीं की जाएगी।

इस अवसर पर मुख्य अभियंता संजय सिंह, कार्यदायी संस्था आरसीसी बिल्डर्स के प्रतिनिधि, पीडब्ल्यूडी विभाग के जूनियर इंजीनियर सहित संबंधित अधिकारी मौजूद रहे।

लोकमाता अहिल्याबाई होलकर से जुड़े ऐतिहासिक स्थलों का निरीक्षण किया

यूनिक समय, वृंदावन। धनगर वंशीय लोकमाता देवी अहिल्याबाई होलकर द्वारा वृंदावन क्षेत्र में निर्मित ऐतिहासिक एवं धार्मिक स्थलों के जीर्णोद्धार को लेकर जिला सहकारी बैंक के अध्यक्ष निरंजन सिंह धनगर अधिकारियों के साथ निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान ठाकुर चैन बिहारी जी मंदिर, कालीदह घाट, अटल्ला चुंगी क्षेत्र तथा राजपुर बांगर स्थित बने प्राचीन कुआं एवं बावड़ी का जायजा लिया गया। इस दौरान स्थलों की वर्तमान स्थिति, संरक्षा एवं विकास कार्यों की संभावनाओं पर चर्चा की गई। स्थानीय सामाजिक कार्यकर्ताओं ने कहा कि लोकमाता अहिल्याबाई होलकर ने देशभर में अनेक मंदिरों, घाटों और धर्मस्थलों का निर्माण एवं पुनर्निर्माण कराया था। वृंदावन स्थित ये स्थल भी उनकी विरासत का महत्वपूर्ण हिस्सा है, जिनके संरक्षण की आवश्यकता लंबे समय से महसूस की

लोकमाता देवी अहिल्याबाई होलकर द्वारा वृंदावन क्षेत्र में निर्मित ऐतिहासिक स्थल का जिला सहकारी बैंक के अध्यक्ष निरंजन सिंह धनगर अधिकारियों के साथ निरीक्षण करते हुए।

जा रही थी। उन्होंने कहा कि यह प्रस्ताव शासन को भेजकर जीर्णोद्धार कार्य को भेजा था। इसका शासन स्तर से आश्वासन दिया। इस मौके पर हरगोविंद धनगर, रघुवीर सिंह धनगर, डॉ. भगवान सिंह धनगर, सूबेदार राजवीर सिंह धनगर सहित अनेक सामाजिक कार्यकर्ता मौजूद रहे।

हाईकोर्ट प्रकरण ने खोली विभागीय जवाबदेही की कमजोरी

निलंबन-बहाली विवाद में घिरा लोक निर्माण विभाग

सिटी रिपोर्टर

यूनिक समय, मथुरा। लोक निर्माण विभाग के प्रांतीय खंड में एक्सईएन अजय कुमार सिंह से जुड़ा पूरा घटनाक्रम अब केवल प्रशासनिक विवाद नहीं रह गया है। हाईकोर्ट में समय पर हलफनामा दाखिल न होने से शुरू हुआ मामला विभागीय जवाबदेही, आदेश प्रक्रिया और अधिकारियों के बीच समन्वय की कमजोरी को भी उजागर कर रहा है।

एक्सईएन अजय कुमार सिंह को 24 जनवरी 2026 को निलंबित कर लखनऊ मुख्यालय से संबद्ध किया गया था। आरोप था कि हाईकोर्ट के एक मामले में समय पर जवाब दाखिल नहीं किया गया, जिससे शासन की छवि प्रभावित हुई। लेकिन बाद में हुई विभागीय जांच में यह तथ्य सामने आया कि जवाब दाखिल करने में हुई देरी के लिए अजय कुमार सिंह सीधे तौर पर जिम्मेदार नहीं थे। जांच में उल्लेख किया गया कि संबंधित अधिकारी पारिवारिक परिस्थितियों के कारण समय पर हलफनामा दाखिल नहीं कर सके।

चार्ज विवाद ने खोली विभागीय समन्वय की कमजोर परतें

अधिकारियों की खींचतान से विकास कार्य प्रभावित

जांच रिपोर्ट के आधार पर शासन के ओएसडी राजवीर सिंह ने 24 अप्रैल को निलंबन और संबद्धीकरण आदेश निरस्त कर दिए। इसके बाद 25 अप्रैल को अजय कुमार सिंह ने प्रांतीय खंड का चार्ज संभाल लिया। हालांकि विभागीय सूत्रों के अनुसार चार्ज हस्तांतरण को लेकर स्पष्ट प्रशासनिक आदेश मौजूद नहीं थे। यही बिंदु आगे चलकर नए विवाद की वजह बना।

मामला मुख्यमंत्री के प्रमुख सचिव संजय प्रसाद के संज्ञान में पहुंचा, जिसके बाद दोनों अधिकारियों से स्पष्टीकरण मांगा गया। इसके बाद शासन ने दोबारा हस्तक्षेप करते हुए अजय कुमार सिंह को चार्ज छोड़ने और एक्सईएन गुलवीर सिंह को प्रांतीय खंड की जिम्मेदारी सौंपने के निर्देश जारी किए।

आदेश आते ही प्रांतीय खंड में बदला कार्यभार

यूनिक समय, मथुरा। मुख्य अभियंता एनके यादव ने बताया कि दोनों अधिकारियों से स्पष्टीकरण प्राप्त होने के बाद शासन स्तर पर निर्णय लिया गया। मुख्य सचिव के निर्देशानुसार एक्सईएन अजय कुमार सिंह को चार्ज छोड़ने और प्रांतीय खंड की जिम्मेदारी फिर से एक्सईएन गुलवीर सिंह को सौंप दी गई।

इस पूरे घटनाक्रम ने विभागीय व्यवस्था पर कई गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। यदि जवाब दाखिल करने की जिम्मेदारी किसी अन्य अधिकारी की थी तो कार्रवाई सीधे एक्सईएन स्तर पर क्यों हुई? और जब जांच में आरोप सिद्ध नहीं हुए तो बहाली के कुछ दिनों बाद ही दोबारा संबद्धीकरण की जरूरत क्यों पड़ी?

जानकारों का मानना है कि यह मामला केवल दो अधिकारियों के बीच विवाद नहीं, बल्कि विभाग के भीतर कम्युनिकेशन गैप, आदेश प्रक्रिया की अस्पष्टता और समन्वय की कमी का संकेत है। यदि चार्ज हस्तांतरण और जवाबदेही तय करने की स्पष्ट डिजिटल व प्रशासनिक प्रणाली मजबूत होती तो विवाद इस स्तर तक नहीं पहुंचता।

सूत्रों के अनुसार अप्रैल और मई के बीच चले इस प्रशासनिक असमंजस का असर विभागीय कार्यों पर भी पड़ा। कई सड़क और निर्माण परियोजनाओं की फाइलें लंबित रहीं, जबकि भुगतान और टेंडर प्रक्रिया की गति धीमी होने की चर्चा विभागीय हलकों में रही। अधीनस्थ इंजीनियरों और कर्मचारियों के बीच भी आदेशों को लेकर भ्रम की स्थिति बनी रही।

उठावनी

स्व. श्री जगदीश प्रसाद सौदागर

अत्यन्त दुःख के साथ सूचित करना पड़ रहा है कि हमारे पूज्यनीय पिताजी श्री जगदीश प्रसाद सौदागर जी का गोलोकवास दिनांक 13.05.2026 को हो गया है। जिनकी उठावनी दिनांक 15.05.2026 दिन शुक्रवार को महिलाओं एवं पुरुषों की सायं 4 से 5 बजे तक अग्रवाटिका, मसानी बाईपास रोड, मथुरा पर होगी।

शोकाकुल
संजीव कुमार बंसल-एकता बंसल (पुत्र-पुत्रवधु)
दिव्य-आयुषी बंसल, तेजोम बंसल (पौत्र-पौत्रवधु)
अनीता-मुरारी लाल अग्रवाल, मधु (जूली)-विजय अग्रवाल
डा० शशि बंसल-डा०मुकेश कुमार गर्ग (पुत्री-दामाद) अंकित-शालकी
पुलकित-मनिका (धेवते-धेवतेवधु) सुनन्द, दक्षता, सोहम (धेवते-धेवती) अंश
अन्वी, अथर्व (पड़पौत्र-पड़पौत्री) सावित्री देवी, मधु बंसल, अनिल बंसल-आशा बंसल
(अनुजभ्राता-भ्रातावधु) रामकिशन-मंजु रानी अग्रवाल, लक्ष्मण प्रसाद-कुसुमलता
रामबाबू-गीता अग्रवाल, रवि शरण-सरिता अग्रवाल, डॉ. कन्हैयालाल-गुंजन
अग्रवाल, विष्णु-अन्नू बंसल, शरद-पारुल बंसल, राघव-शालिनी बंसल
हिमांशु-शगुन बंसल, अनुज-शालिनी बंसल (भतीजे भतीजेवधु)

प्रतिष्ठान
- बाँकाबिहारी एंटरप्राइसेस (नया बाजार, मथुरा)
- दाऊजी पायल (नमक की मंडी, आगरा)
- DT चेन्स (नमक की मंडी, आगरा)

ससुराल पक्ष- अशोक कुमार-पुष्पा अग्रवाल, किशन कुमार-सुमन लता अग्रवाल
गायत्री देवी (साले-सलहज) पवन-खुशबू ,अमित-कविता
अतुल-पूजा, मोहित-नुपुर अग्रवाल (भतीजे-भतीजेवधू)
प्रतिष्ठानः दाऊजी पत्तल भंडार, के. जी. राइस मिल (भरथना), इटावा

व्यापारियों ने डीआई को सौंपा 12 सूत्री ज्ञापन

डीआई धीरेंद्र प्रताप सिंह को ज्ञापन देते व्यापारी।

यूनिक समय, मथुरा। मथुरा उधोग व्यापार प्रतिनिधि मंडल के प्रांतीय अध्यक्ष लोकेश अग्रवाल के आह्वान पर मथुरा उधोग व्यापार प्रतिनिधि मंडल के जिलाध्यक्ष अभिषेक कुमार पिंटू भईया के नेतृत्व में मुख्यमंत्री के नाम 12 सूत्री ज्ञापन कलेक्ट्रेट में खाद्य विभाग के डीआई धीरेंद्र प्रताप सिंह को सौंपा। ज्ञापन देते हुए उन्होंने कहा कि खाद्य सुरक्षा एवं मानक अधिनियम प्रदेश में कहीं भी सैंम्पल भरे जाते समय रिटेलर के साथ साथ निर्माता को भी पार्टी बनाया जाता है, लेकिन निर्माता को सेंपल भरे जाते समय जारी किया गया फार्म 5 नहीं भेजा जाता। इसलिए निर्माता को पार्टी बनाये जाने की दशा में फार्म 5 के निर्माता के पते पर पंजीकृत डाक द्वारा भेजा जाना आवश्यक है। इसी प्रकार सैम्पल की जांच रिपोर्ट महीनों में प्राप्त होती है जबकि खाद्य सुरक्षा में मानक अधिनियम में जांच कर 14 दिन में सैम्पल की रिपोर्ट भेजे जाने का प्रावधान किया गया है। अतः उत्तर प्रदेश की सभी राजकीय जन विश्लेषण प्रयोगशाला द्वारा नमूना प्राप्त होने के बाद 14 दिन के अंदर जांच रिपोर्ट भेजने की व्यवस्था कराने की मांग की। ज्ञापन देने वालों में नगर अध्यक्ष डॉ. राजेंद्र प्रसाद लोधी, जिला उपाध्यक्ष भगवती चतुर्वेदी, सतीश पटेल, पवन चौधरी लाला तथा आलोक बंसल आदि उपस्थित थे।

जनपद में एक प्लाटून एसडीआरएफ की स्थाई तैनाती

यूनिक समय, मथुरा। जनपद में आपदा प्रबंधन और जन सुरक्षा के मद्देनजर एसडीआरएफ की एक प्लाटून को स्थाई रूप से मथुरा में तैनात किया गया है। मथुरा में एसडीआरएफ की एक प्लाटून की स्थाई तैनाती से न केवल स्थानीय निवासियों बल्कि यहां आने वाला लाखों तीर्थ यात्रियों के लिए एक बड़ा सुरक्षा कवच साबित होगा। एसडीआरएफ जनपद में किसी भी आपात स्थिति से निपटने के लिए तैयार रहेगा। एसडीआरएफ जनपद में घटित होने वाली विभिन्न प्राकृतिक और मानव जनित आपदाओं से त्वरित निपटने के लिए तैयार रहेगी। एसडीआरएफ की मौजूदगी में गोल्डन ऑवर में तुरंत राहत कार्य शुरू हो सकेगा। मानसून के दौरान यमुना नदी में आने वाली बाढ़ और तटीय इलाकों में जल भराव की स्थिति में यह प्लाटून स्थानीय पुलिस के साथ मिलकर काम करेगी।

सपा सांसद की टिप्पणी का विरोध, डीएम को सौंपा ज्ञापन

सपा सांसद द्वारा प्रधानमंत्री पर की गई टिप्पणी के विरोध में डीएम कार्यालय पर प्रदर्शन करतीं भाजपा की महिला कार्यकर्ता।

यूनिक समय, मथुरा। गुरुवार को भाजपा महिला कार्यकर्ताओं ने सपा सांसद की ओर से प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी पर की गई टिप्पणी के विरोध में कलेक्ट्रेट पर जाकर विरोध जताया। राज्यपाल के नाम डीएम सीपी सिंह को ज्ञापन भी दिया।

भाजपा जिला उपाध्यक्ष मुदिता शर्मा ने कहा कि अमर्यादित भाषा का प्रयोग लोकतंत्र की गरिमा को ठेस पहुंचाता है। पूजा चौधरी ने कहा कि सपा जनता के जरूरी मुद्दों से ध्यान भटकाने के लिए नकारात्मक राजनीति कर रही है। पूर्व जिला उपाध्यक्ष दीपा अग्रवाल ने कहा कि प्रधानमंत्री के खिलाफ की गई आपत्तिजनक टिप्पणियां भावनाओं को आहत करती हैं।

इस अवसर पर नीलम पांडेय, वंदना अरोड़ा, नीलम चौधरी, हेमा सिंह, सावित्री, मनीषा, ज्योति चतुर्वेदी, पूजा सैनी, उर्मिला दीक्षित, शशि शुक्ला, कृष्णा चौधरी, रामदुलारी, आरती चतुर्वेदी, अनीता चावला आदि मौजूद रहीं।

डिग्री हाथ में, नौकरी नहीं: मथुरा के युवा पलायन को मजबूर

सिटी रिपोर्टर

यूनिक समय, मथुरा। कृष्णनगरी में युवाओं के सामने सबसे बड़ा संकट अब रोजगार का बनता जा रहा है। स्नातक, आईटीआई और तकनीकी शिक्षा प्राप्त करने के बाद भी बड़ी संख्या में युवा स्थानीय स्तर पर नौकरी नहीं मिलने से परेशान हैं। हालत यह है कि हर साल हजारों युवक-युवतियां रोजगार की तलाश में दिल्ली-एनसीआर, नोएडा और गुरुग्राम की ओर पलायन करने को मजबूर हो रहे हैं।

राहुल ने आईटीआई से इलेक्ट्रिशियन ट्रेड किया, लेकिन जिले में नौकरी नहीं मिलने पर अब वह नोएडा की एक निजी कंपनी में काम कर रहे हैं। राहुल कहते हैं, "मथुरा में ट्रेनिंग तो मिली, लेकिन नौकरी नहीं मिली। मजबूरी में बाहर जाना पड़ा। मोहित स्नातक के बाद प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी कर रहे हैं। उनका कहना है कि जिले में रोजगार के अवसर बेहद सीमित हैं। "हर साल हजारों युवा पढ़ाई पूरी करते हैं, लेकिन स्थानीय स्तर पर कंपनियां और इंडस्ट्री नहीं होने से बेरोजगारी बढ़ रही है। दीपक कुमार ने कौशल विकास केंद्र से इलेक्ट्रिशियन का प्रशिक्षण लिया, लेकिन उन्हें अब तक स्थायी रोजगार नहीं मिला। वहीं पूजा ने कंप्यूटर ट्रेनिंग के बाद कई जगह आवेदन किए, लेकिन स्थानीय स्तर पर नौकरी नहीं मिलने से वह निराश हैं। सोनू, जिन्होंने होटल मैनेजमेंट का कोर्स किया, अब दिल्ली में नौकरी तलाश रहे हैं। उनका कहना है कि मथुरा पर्यटन नगरी होने के बावजूद यहां प्रशिक्षित युवाओं के लिए पर्याप्त अवसर नहीं हैं। जिले में रोजगार कार्यालय और कौशल विकास मिशन के तहत कई प्रशिक्षण कार्यक्रम संचालित किए जा रहे हैं। कंप्यूटर, फिटर, इलेक्ट्रिशियन, होटल मैनेजमेंट और सर्विस सेक्टर से जुड़े कोर्स भी चल रहे हैं, लेकिन युवाओं का आरोप है कि इंडस्ट्री लिंकेज कमजोर होने के कारण प्रशिक्षण का सीधा लाभ रोजगार में नहीं बदल पा रहा। गांवों और कस्बों के अनेक युवा प्रतियोगी परीक्षाओं, अस्थायी कामों और पलायन के बीच फंसे हुए हैं। कुछ युवाओं ने स्वरोजगार शुरू करने की कोशिश की, लेकिन वित्तीय सहायता और बाजार सहयोग के अभाव में योजनाएं आगे नहीं बढ़ सकीं। अब युवाओं की निगाह प्रशासनिक कदमों पर टिकी हैं। आने वाले समय में उठाए जाने वाले फैसले यह तय करेंगे कि मथुरा रोजगार देने वाला जिला बनेगा या फिर युवाओं का पलायन यूं ही जारी रहेगा।

स्किल डेवलपमेंट केंद्रों और स्थानीय रोजगार अवसरों की मांग तेज

सुप्रीम कोर्ट में विशेष लोक अदालत 21 अगस्त से

यूनिक समय, मथुरा। जनपद न्यायाधीश-जिला विधिक सेवा प्राधिकरण अध्यक्ष विकास कुमार ने बताया है कि आपसी सहमति से न्याय की भावना को साकार करने के लिए सुप्रीम कोर्ट में 21 अगस्त से विशेष लोक अदालत का आयोजन होगा, जो 22-23 अगस्त तक चलेगा। उन्होंने बताया कि विशेष लोक अदालत में सुप्रीम कोर्ट में लंबित मामलों को शामिल किया जाएगा। विशेष लोक अदालत से पूर्व सुलह बैठकों का आयोजन राज्य/जिला/उच्च न्यायालय विधिक सेवा प्राधिकरण/समिति स्थित मध्यस्थता केन्द्रों में किया जायेगा। सुलह वार्ता का आयोजन 21 अप्रैल को समाधान समारोह के आरम्भ के साथ शुरू हो गया है।

जिला विधिक सेवा प्राधिकरण की सचिव अनीता सिंह ने सभी संबंधित अधिवक्ताओं, वादकारियों और अन्य सभी पक्षों को इस अभियान में सक्रिय रूप से भागीदारी के लिए योगदान देने को कहा। विशेष लोक अदालत में शामिल होने के लिए गूगल फार्म 31 मई तक भरा जा सकता है।

सुविचार

शांति से सोचकर निर्णय लेना सीखें।

कल का पंचांग

तिथि	चतुर्दशी	08:31-05:11 तक	पक्ष	कृष्ण पक्ष
नक्षत्र	अश्विनी	10:33-08:14 तक	माह	ज्येष्ठ
सूर्योदय		5:34 AM	चन्द्रोदय	3:54 AM
सूर्यास्त		6:56 PM	चंद्रास्त	5:32 PM
सूर्य राशि		वृषभ राशि	चंद्र	मेष राशि
शुभ मुहूर्त		11:49AM -12:42 PM	ब्रहम् मुहूर्त	03:59-04:47
त्योहार/व्रत			विक्रम संवत्	2083
राहुकाल		10:35 AM: 12:15 PM	वार	शुक्रवार

ब्रज के मंदिरों के दर्शन

ब्रज की सभी कथा और श्री राधा कृष्ण की सभी लीलाओं के दर्शन यूनिक समय चैनल के माध्यम से करें।

Youtube Channel : https://youtube.com/uniquesamay

माणिक्य रत्न पहनने से बनता है राजयोग

बढ़ती है यश-कीर्ति, सूर्य दोष से मिलती है मुक्ति

यूनिक समय, मथुरा। माणिक्य रत्न को सूर्य का शुभ रत्न माना जाता है। यह मुख्यतः लाल या गुलाबी रंग का होता है और इसे सोने या तांबे की अंगूठी में धारण किया जाता है। धार्मिक मान्यता के अनुसार, माणिक्य धारण करने से व्यक्ति के जीवन में राजयोग बनता है, यश-कीर्ति में वृद्धि होती है और सूर्य से जुड़ा दोष शांत होता है। यह रत्न नेतृत्व क्षमता, आत्मबल और आत्मविश्वास को भी बढ़ाता है, इसलिए इसे खासतौर पर नेता, अधिकारी, राजनेता, अभिनेता और प्रशासनिक सेवाओं से जुड़े लोग धारण करते हैं।माणिक्य को धारण करने का समय विशेष होता है। इसे रविवार के दिन सुबह 5 से 7 बजे के बीच पहनना चाहिए। इसे पहनने से पहले गंगाजल से शुद्ध करें और 'ॐ ह्रां ह्रीं ह्रौं सः सूर्याय नमः' मंत्र का 108 बार जाप करें। इसके बाद इसे दाहिने हाथ की अनामिका उंगली में सोने या तांबे की अंगूठी में धारण करें। इस प्रक्रिया से रत्न अभिमंत्रित होता है और उसका सकारात्मक प्रभाव अधिक होता है। हालांकि, इसे पहनने से पहले किसी योग्य और अनुभवी ज्योतिषाचार्य की सलाह अवश्य लेनी चाहिए।

माणिक्य पहनने से आत्मबल में वृद्धि होती है और नकारात्मक सोच दूर होती है। व्यक्ति के भीतर ऊर्जा, साहस और स्पष्टता आती है। यह रत्न सामाजिक प्रतिष्ठा और यश बढ़ाता है। साथ ही यह बुरी नजर से भी सुरक्षा प्रदान करता है। भ्रम, शंका और निर्णयहीनता जैसी मानसिक स्थितियों में भी यह सहायक होता है। माणिक्य पहनने से नेतृत्व क्षमता और निर्णय लेने की शक्ति में भी सुधार होता है। यह रत्न राजनीति, प्रशासन, प्रबंधन और सेना जैसे क्षेत्रों में कार्यरत लोगों के लिए विशेष रूप से लाभकारी माना गया है।

इसके अलावा, माणिक्य हृदय, आंखों और रक्त से जुड़ी समस्याओं में लाभ पहुंचा सकता है। यह सरकारी कार्यों में सफलता और पिता का सहयोग दिलाने में भी सहायक होता है। माणिक्य धारण करने से संतान सुख की प्राप्ति हो सकती है तथा संतान से जुड़ी प्रतिष्ठा और गर्व में वृद्धि होती है।

MANNAT GROUP
Building Your Vision, Creating Reality

मंदिर खुलने व बंद होने का समय

- श्रीबांके बिहारीजी मंदिर में सुबह 8 .00 से दोपहर 01 .30 बजे तक और शाम 4 .00 से रात 9 .00 बजे तक।
- श्रीकृष्ण जन्मभूमि में श्री गर्भगृह के दर्शन सुबह 6 .30 बजे से रात 9 बजे तक।
- श्रीकृष्ण जन्मभूमि के भागवत भवन व अन्य मंदिर में सुबह 6 .30 बजे से दोपहर 12 बजे तक और शाम 4 बजे से रात 9 बजे तक।
- द्वारकाधीश मंदिर में सुबह 6 .30 बजे से 11 बजे तक और शाम 4 बजे से 7 .30 बजे तक।

कुंडली में सूर्य दोष: रविवार को करें ये पांच अचूक उपाय, बदलेगी किस्मत

यूनिक समय, मथुरा। हिंदू धर्म में सप्ताह का प्रत्येक दिन किसी न किसी देवता को समर्पित होता है, और रविवार का दिन सूर्य देव की आराधना के लिए विशेष माना गया है। कुंडली में सूर्य की स्थिति कमजोर होने पर व्यक्ति को मानसिक, आर्थिक और सामाजिक परेशानियों का सामना करना पड़ सकता है। ऐसे में उज्जैन के विद्वान आचार्यों के अनुसार, रविवार को कुछ विशेष उपाय अपनाकर सूर्य दोष को कम किया जा सकता है।

रविवार को गुड़, दूध, चावल और लाल वस्त्र का दान करना शुभ माना जाता है। इससे भाग्य का द्वार खुलता है और सूर्य की कृपा प्राप्त होती है। इस दिन सूर्यदेव को प्रिय रंग लाल माना जाता है। लाल वस्त्र धारण कर पूजा करने से मनोवांछित फल मिलते हैं। घर के मुख्य द्वार पर घी का दीपक जलाएं। इससे मां लक्ष्मी और सूर्यदेव दोनों प्रसन्न होते हैं और घर में समृद्धि आती है। सूर्य को अर्घ्य देते समय तांबे के बर्तन में जल, लाल फूल, अक्षत और दूब डालें। साथ ही "ॐ सूर्याय नमः" मंत्र का जाप करें।

रविवार को तांबे की वस्तुएं नहीं बेचनी चाहिए, क्योंकि इससे कुंडली में सूर्य की स्थिति और कमजोर हो सकती है। इस दिन पश्चिम दिशा में यात्रा से बचना चाहिए, यदि आवश्यक हो तो दलिया, घी या पान खाकर घर से निकलें।

रविवार को नीले, काले या उनसे मिलते-जुलते रंगों के कपड़े नहीं पहनने चाहिए। साथ ही इस दिन बाल कटवाना भी वर्जित माना गया है। इन सरल लेकिन प्रभावशाली उपायों को रविवार के दिन नियमित रूप से अपनाकर सूर्य दोष को शांत किया जा सकता है और जीवन में सफलता, यश और स्वास्थ्य की प्राप्ति संभव होती है।

कल का राशिफल

वृषभः कल का दिन आर्थिक दृष्टि से शुभ रहेगा। रुका हुआ धन मिलने की संभावना है। व्यापार में लाभ होगा। परिवार के साथ अच्छा समय बिताएंगे। किसी पुराने मित्र से मुलाकात हो सकती है।

मिथुनः नौकरी और व्यवसाय में नई संभावनाएं मिल सकती हैं। विद्यार्थियों को सफलता मिलेगी। पारिवारिक माहौल सुखद रहेगा। किसी महत्वपूर्ण कार्य में मित्रों का सहयोग प्राप्त होगा। जल्दबाजी में निर्णय लेने से बचें।

कर्कः कल परिवार में प्रसन्नता का वातावरण रहेगा। नौकरी में नई जिम्मेदारी मिल सकती है। आर्थिक स्थिति मजबूत होगी। धार्मिक कार्यों में रुचि बढ़ेगी। यात्रा के योग बन रहे हैं।

सिंहः आत्मविश्वास में वृद्धि होगी। व्यापार में लाभ के अच्छे अवसर मिल सकते हैं। किसी खास व्यक्ति से मुलाकात भविष्य में लाभदायक साबित होगी। परिवार का सहयोग मिलेगा। विद्यार्थियों के लिए दिन अनुकूल रहेगा।

कन्याः कार्यक्षेत्र में व्यस्तता अधिक रहेगी लेकिन मेहनत का लाभ मिलेगा। आर्थिक मामलों में सावधानी बरतें। परिवार में किसी शुभ समाचार से खुशी मिलेगी। छात्रों को पढ़ाई में सफलता प्राप्त होगी।

तुलाः कल वैवाहिक जीवन में मधुरता बनी रहेगी। नौकरी और व्यापार में सफलता के योग हैं। नया कार्य शुरू करने के लिए दिन अनुकूल रहेगा। परिवार के साथ समय अच्छा बीतेगा। आर्थिक लाभ मिलने से मन प्रसन्न रहेगा।

वृश्चिकः कल धैर्य और संयम बनाए रखने की जरूरत है। कार्यक्षेत्र में मेहनत का अच्छा परिणाम मिलेगा। परिवार का सहयोग मनोबल बढ़ाएगा।

धनुः धार्मिक और आध्यात्मिक कार्यों में रुचि बढ़ेगी। यात्रा लाभदायक हो सकती है। व्यापार में नई योजनाएं सफल होंगी। परिवार में खुशी का माहौल रहेगा। आर्थिक मामलों में सावधानी बरतना जरूरी होगा।

मकरः नौकरीपेशा लोगों को अधिकारियों का सहयोग मिलेगा। व्यापार में लाभ के संकेत हैं। परिवार की जिम्मेदारियां बढ़ सकती हैं। विद्यार्थियों को मेहनत का फल मिलेगा।

कुंभः कल का दिन व्यापारियों के लिए लाभकारी रहेगा। नए संपर्क भविष्य में फायदा पहुंचा सकते हैं। परिवार के साथ समय अच्छा बीतेगा। नौकरी में पदोन्नति के संकेत मिल सकते हैं। स्वास्थ्य को लेकर सतर्क रहें और नियमित व्यायाम करें।

मीनः स्वास्थ्य को लेकर सावधानी बरतने की आवश्यकता है। परिवार के साथ समय बिताने से मानसिक शांति मिलेगी। आर्थिक स्थिति सामान्य रहेगी। कार्यक्षेत्र में नई जिम्मेदारियां मिल सकती हैं। विद्यार्थियों को सफलता के लिए अधिक मेहनत करनी पड़ेगी।

वट सावित्री व्रत: सुहागिन महिलाओं के लिए क्यों खास है बेना-बरगद फल

यूनिक समय, मथुरा। ज्येष्ठ अमावस्या पर रखा जाने वाला वट सावित्री व्रत इस वर्ष 16 मई, शनिवार को मनाया जाएगा। अखंड सौभाग्य, सुखी दांपत्य जीवन और परिवार की समृद्धि की कामना के लिए सुहागिन महिलाएं यह व्रत रखती हैं। इस दिन बरगद के पेड़ की पूजा का विशेष महत्व माना जाता है। धार्मिक मान्यताओं के अनुसार वट वृक्ष दीर्घायु, वंश वृद्धि और सुख-समृद्धि का प्रतीक है।

वट सावित्री व्रत में पूजा सामग्री का विशेष महत्व होता है। इनमें बेना यानी बांस से बना हाथ वाला पंखा और बरगद का फल सबसे महत्वपूर्ण माने जाते हैं। मान्यता है कि जब यमराज ने सत्यवान को जीवनदान दिया था, तब वह अत्यधिक थके हुए थे और ज्येष्ठ महीने की गर्मी से परेशान थे। उस समय सावित्री ने बांस की टहनियों और पत्तों से पंखा बनाकर उन्हें हवा की थी। तभी से वट सावित्री व्रत में बेना चढ़ाने और उससे पति को हवा करने की परंपरा चली आ रही है। इसे पति की लंबी उम्र और सुखद जीवन का प्रतीक माना जाता है।

व्रत के दौरान महिलाएं बरगद के फल का भी सेवन करती हैं। इसे कई स्थानों पर बड़कुला कहा जाता है। धार्मिक विश्वास है कि बरगद का फल ग्रहण करने से महिलाओं को देवी सावित्री जैसा सौभाग्य और शक्ति प्राप्त होती है। बरगद का पेड़ अपनी लंबी आयु और फैलती जड़ों के कारण अक्षय वृक्ष माना जाता है। इसी वजह से महिलाएं इसकी पूजा कर वंश वृद्धि और परिवार की खुशहाली की कामना करती हैं।

वट सावित्री व्रत की पूजा सामग्री में बरगद का पेड़, बेना, बरगद का फल, कच्चा सूत, रक्षा सूत्र, सावित्री-सत्यवान की प्रतिमा, सिंदूर, चंदन, फूल, बताशा, सुहाग सामग्री, पान, सुपारी, नारियल, कलश, मिठाई, भीगा चना, गुड़ और पूड़ी आदि शामिल किए जाते हैं। इसके साथ ही पूजा विधि और कथा की पुस्तक भी रखी जाती है ताकि विधिपूर्वक पूजा संपन्न की जा सके।

सम्पादकीय

दागी नेताओं पर आखिर कब लगेगी लगाम

भारत का लोकतंत्र दुनिया के सबसे बड़े लोकतांत्रिक मॉडल के रूप में पहचाना जाता है, लेकिन जब संसद और विधानसभाओं तक पहुंचने वाले जनप्रतिनिधियों पर हत्या, बलात्कार और हत्या के प्रयास जैसे गंभीर आरोप हों, तब यह गर्व चिंता में बदल जाता है। एसोसिएशन फॉर डेमोक्रेटिक रिफॉर्म्स यानी एडीआर की ताजा रिपोर्ट भारतीय राजनीति की उसी कड़वी सच्चाई को सामने लाती है, जिसे राजनीतिक दल अक्सर नजरअंदाज कर देते हैं। पश्चिम बंगाल, तमिलनाडु, असम और केरल में चुने गए 794 विधायकों में से 451 पर आपराधिक मामले दर्ज होना सामान्य बात नहीं कही जा सकती। सबसे चौंकाने वाली तस्वीर केरल से सामने आई है, जहां 140 में से 114 विधायक किसी न किसी आपराधिक मामले में घिरे हैं। पश्चिम बंगाल में भी दागी विधायकों की संख्या पिछले चुनाव की तुलना में बढ़ी है। यह संकेत है कि राजनीति में अपराधीकरण कम होने के बजाय लगातार बढ़ रहा है।

पवन गौतम
संपादक

सबसे बड़ा सवाल यही है कि आखिर राजनीतिक दल दागी उम्मीदवारों को टिकट क्यों देते हैं? जवाब साफ है–चुनाव जीतने की मजबूरी। राजनीतिक दलों को ऐसे उम्मीदवार चाहिए जिनका क्षेत्र में प्रभाव हो, पैसा हो और हर हाल में सीट निकालने की क्षमता हो। ऐसे में उम्मीदवार की छवि और नैतिकता पीछे छूट जाती है। यही वजह है कि साफ राजनीति की बातें करने वाले दल भी टिकट बांटते समय अपने सिद्धांत भूल जाते हैं। स्थिति इसलिए भी खतरनाक है क्योंकि अब राजनीति में अपराधीकरण धीरे–धीरे सामान्य होता जा रहा है। कई नेता गंभीर मामलों में घिरे होने के बावजूद चुनाव जीत जाते हैं और समर्थक इसे ताकत का प्रतीक मानते हैं। इससे राजनीति में ईमानदार और साफ छवि वाले लोगों के लिए जगह लगातार कम होती जा रही है। हालांकि हर मामला दोष सिद्धि नहीं होता, लेकिन जब बड़ी संख्या में जनप्रतिनिधि गंभीर आरोपों में घिरे हों, तब लोकतंत्र की विश्वसनीयता पर सवाल उठना स्वाभाविक है। अदालतें और चुनाव आयोग समय–समय पर चेतावनी देते रहे हैं, लेकिन राजनीतिक दलों की प्राथमिकता अब भी जीत ही बनी हुई है। इस समस्या का समाधान केवल कानून से नहीं होगा। राजनीतिक दलों को ईमानदारी से अपराधमुक्त राजनीति की पहल करनी होगी। साथ ही मतदाताओं को भी जाति, धर्म और तात्कालिक लाभ से ऊपर उठकर स्वच्छ छवि वाले उम्मीदवारों को चुनना होगा। लोकतंत्र तभी मजबूत होगा, जब जनसेवा करने वाले लोग सदनों तक पहुंचेंगे, न कि दागदार छवि वाले नेता।

स्कैन करें

संपादकीय सुनने के लिए मोबाइल से QR कोड को स्कैन करें।

नजरिया

पेपर लीक ने तोड़ा युवाओं का भविष्य और भरोसा

चीन जैसी सख्ती भारत में कब आएगी

बोध प्रकाश सगुणी

भारत में प्रतियोगी परीक्षाएं अब सिर्फ एग्जाम नहीं रह गई हैं, बल्कि करोड़ों परिवारों की उम्मीदों, सपनों और भविष्य का सबसे बड़ा आधार बन चुकी हैं। कोई बच्चा डॉक्टर बनने का सपना देखता है, कोई इंजीनियर, कोई प्रशासनिक अधिकारी। इन सपनों को पूरा करने के लिए लाखों छात्र अपनी जिंदगी के सबसे खूबसूरत साल किताबों, कोचिंग, टेस्ट सीरीज और तनाव के बीच गुजार देते हैं। लेकिन जब परीक्षा होने के बाद यह खबर आती है कि "पेपर लीक हो गया", "एग्जाम कैंसिल हो गया", तब सिर्फ एक परीक्षा नहीं टूटती, बल्कि उस छात्र का आत्मविश्वास, उसका मानसिक संतुलन और सिस्टम पर उसका भरोसा भी टूट जाता है।

नीट 2026 विवाद ने फिर वही सवाल देश के सामने खड़ा कर दिया है कि आखिर कब तक भारत के बच्चे भ्रष्टाचार, लापरवाही और कमजोर परीक्षा व्यवस्था की कीमत चुकाते रहेंगे? 23 लाख से ज्यादा छात्र जिस परीक्षा के लिए महीनों नहीं बल्कि वर्षों तक मेहनत करते हैं, वह कुछ लोगों के लालच और सिस्टम की खामियों की वजह से संदेह के घेरे में आ जाती है। यह केवल प्रशासनिक विफलता नहीं, बल्कि नैतिक असफलता भी है। आज भारत में प्रतियोगी परीक्षाओं का स्वरूप युद्ध जैसा हो गया है। छात्र अपना मोबाइल छोड़ देते हैं, त्योहारों से दूरी बना लेते हैं, दोस्तों से मिलना बंद कर देते हैं। छोटे–छोटे कमरों में दिन–रात पढ़ाई करते हुए वे सिर्फ एक भरोसे पर टिके रहते हैं कि मेहनत का परिणाम मिलेगा। लेकिन जब परीक्षा रद्द होती है, तब उन्हें लगता है कि मेहनत नहीं, बल्कि उनका भविष्य मजाक बन गया है।

सबसे दुखद बात यह है कि पेपर लीक अब अपवाद नहीं रह गया, बल्कि लगभग एक नियमित संकट बन चुका है। कभी रेलवे भर्ती परीक्षा, कभी शिक्षक भर्ती, कभी पुलिस भर्ती और अब मेडिकल प्रवेश परीक्षा तक इसकी चपेट में आ चुकी हैं। इसका मतलब साफ है कि समस्या किसी एक संस्था की नहीं, बल्कि पूरे सिस्टम की है।

इसी बीच चीन का मॉडल चर्चा में आना स्वाभाविक है। चीन में परीक्षा को राष्ट्रीय सुरक्षा जितना महत्वपूर्ण माना जाता है। वहां प्रश्नपत्र तैयार करने वाले शिक्षकों को महीनों पहले अलग–थलग सुरक्षित स्थानों पर रखा जाता है। कई बार मिलिट्री कैंप या अत्यधिक सुरक्षित परिसरों में उन्हें भेजा जाता है ताकि किसी भी प्रकार की सूचना बाहर न जा सके। प्रश्नपत्रों की छपाई जेल जैसी हाई सिक्योरिटी जगहों पर होती है, जहां 24 घंटे कैमरे और सुरक्षाकर्मी तैनात रहते हैं। पेपर ट्रांसपोर्ट करने के लिए हथियारबंद सुरक्षा बल लगाए जाते हैं। यहां तक कि परीक्षा के दौरान चीटिंग रोकने के लिए बड़ी टेक कंपनियों को अकफीचर्स बंद करने तक के आदेश दिए जाते हैं।

भारत में यह मॉडल इसलिए चर्चा में है क्योंकि यहां की परीक्षा

व्यवस्था लगातार सवालों के घेरे में है। लोग पूछ रहे हैं कि जब चीन जैसा विशाल देश परीक्षा सुरक्षा सुनिश्चित कर सकता है तो भारत क्यों नहीं? हालांकि यह भी सच है कि भारत और चीन की राजनीतिक तथा प्रशासनिक संरचना अलग है। भारत एक लोकतांत्रिक देश है जहां हर निर्णय में कई स्तरों की प्रक्रिया और जवाबदेही होती है। लेकिन इसका मतलब यह नहीं कि हम सुरक्षा और पारदर्शिता सुनिश्चित नहीं कर सकते।

असल समस्या यह है कि भारत की परीक्षा व्यवस्था अत्यधिक निजी वेंडर्स पर निर्भर हो चुकी है। प्रश्नपत्र प्रिंटिंग से लेकर लॉजिस्टिक्स, सर्वर मैनेजमेंट और सेंटर संचालन तक कई निजी एजेंसियां शामिल रहती हैं। जहां ज्यादा लोग और ज्यादा स्तर जुड़ते हैं, वहां लीक और भ्रष्टाचार की संभावना भी बढ़ जाती है। संसद की स्थायी समिति ने 2024 में इस खतरे की ओर इशारा किया था, लेकिन सुधार जमीन पर दिखाई नहीं दिए।

दूसरी बड़ी समस्या जवाबदेही की कमी है। हर पेपर लीक के बाद कुछ गिरफ्तारियां होती हैं, कुछ बयान दिए जाते हैं, लेकिन सिस्टम में ठोस बदलाव नहीं आता। छात्रों को फिर से परीक्षा देने को कहा जाता है, लेकिन उनकी मानसिक पीड़ा पर कोई बात नहीं करता। कोई यह नहीं पूछता कि दोबारा तैयारी करने का दबाव, सामाजिक अपेक्षाएं और असफलता का डर किसी छात्र को मानसिक रूप से कितना तोड़ सकता है।

भारत में प्रतियोगी परीक्षाओं का दबाव पहले ही बहुत ज्यादा है। मेडिकल और इंजीनियरिंग सीटें सीमित हैं, जबकि अभ्यर्थियों की संख्या करोड़ों में पहुंच चुकी है। ऐसे में एक परीक्षा का रद्द होना सिर्फ प्रशासनिक फैसला नहीं, बल्कि लाखों परिवारों की आर्थिक और भावनात्मक स्थिति पर सीधा असर डालता है। कई परिवार अपनी बचत कोचिंग और पढ़ाई पर खर्च कर देते हैं। गांवों और छोटे शहरों से आने वाले छात्र किराये के कमरों में रहकर संघर्ष करते हैं। जब परीक्षा रद्द होती है, तब सबसे ज्यादा चोट इन्हीं परिवारों को लगती है। यह भी समझना होगा कि पेपर लीक सिर्फ आर्थिक अपराध नहीं है। यह सामाजिक अन्याय है। एक तरफ ईमानदार छात्र दिन–रात मेहनत करते हैं, दूसरी तरफ कुछ लोग पैसों के दम पर प्रश्नपत्र खरीद लेते हैं। इससे प्रतिभा का नहीं, बल्कि पैसे और पहुंच का महत्व बढ़ जाता है। अगर यही स्थिति रही तो देश की युवा पीढ़ी का सिस्टम से विश्वास उठ जाएगा।

अब सवाल है कि समाधान क्या है? केवल सख्त कानून बनाना काफी नहीं होगा। भारत को बहुस्तरीय परीक्षा सुरक्षा मॉडल अपनाना होगा। प्रश्नपत्र निर्माण से लेकर वितरण तक हर चरण की डिजिटल ट्रैकिंग होनी चाहिए। प्रिंटिंग प्रेस की निगरानी बढ़ाई जानी चाहिए। पेपर ट्रांसपोर्ट में जीपीएस आधारित सुरक्षा प्रणाली लागू करनी चाहिए। परीक्षा केंद्रों पर बायोमेट्रिक वेरिफिकेशन और अक आधारित निगरानी व्यवस्था मजबूत करनी होगी।

इसके साथ ही निजी वेंडर्स पर निर्भरता कम करनी होगी। सरकार को स्थायी राष्ट्रीय परीक्षा इंफ्रास्ट्रक्चर विकसित करना चाहिए। जैसे चुनाव आयोग चुनाव कराता है, उसी तरह परीक्षा प्रबंधन के लिए भी एक अत्यधिक स्वायत्त और जवाबदेह व्यवस्था की जरूरत है। केवल एनटीए जैसे संस्थानों पर बोझ डालने से काम नहीं चलेगा।

सबसे जरूरी है कि दोषियों को ऐसा दंड मिले जो उदाहरण बने। अगर पेपर लीक करने वाला व्यक्ति कुछ साल बाद आसानी से बाहर आ जाता है, तो अपराध रुकने वाला नहीं। चीन, दक्षिण कोरिया और बांग्लादेश जैसे देशों की सख्ती इसलिए प्रभावी है क्योंकि वहां अपराधियों को स्पष्ट संदेश दिया जाता है कि परीक्षा व्यवस्था से खिलवाड़ राष्ट्रीय अपराध माना जाएगा।

हालांकि केवल सख्ती ही समाधान नहीं है। शिक्षा व्यवस्था में अवसरों का विस्तार भी जरूरी है। जब कुछ हजार सीटों के लिए लाखों छात्र संघर्ष करेंगे, तब तनाव और भ्रष्टाचार दोनों बढ़ेंगे। मेडिकल और उच्च शिक्षा संस्थानों की संख्या बढ़ानी होगी ताकि प्रतियोगिता स्वस्थ बने, विनाशकारी नहीं। नीट 2026 विवाद ने देश को एक बार फिर चेतावनी दी है कि अगर अब भी परीक्षा सुधारों को गंभीरता से नहीं लिया गया तो स्थिति और भयावह हो सकती है। भारत दुनिया का सबसे युवा देश कहलाता है। लेकिन अगर यही युवा अपने ही सिस्टम पर भरोसा खो देंगे, तो यह देश के भविष्य के लिए सबसे बड़ा संकट होगा।

सरकारों को समझना होगा कि पेपर लीक सिर्फ "एग्जाम मैनेजमेंट" का मुद्दा नहीं है। यह देश के सामाजिक विश्वास, युवाओं के मनोबल और राष्ट्रीय भविष्य का प्रश्न है। जब कोई छात्र परीक्षा केंद्र में बैठता है तो वह सिर्फ प्रश्नपत्र हल नहीं कर रहा होता, बल्कि वह अपने भविष्य के लिए देश की व्यवस्था पर भरोसा भी कर रहा होता है। अगर वही भरोसा टूट गया, तो सबसे बड़ा नुकसान किसी परीक्षा का नहीं, बल्कि भारत के भविष्य का होगा।

विचार विण्डो

आने वाला आर्थिक तूफान क्या भारत झेल पाएगा

अभिनय आकाश

कोविड महामारी के दौरान दुनिया ने ऐसा दौर देखा था, जिसकी कल्पना शायद किसी ने नहीं की थी। सड़कें सुनसान थीं, बाजार बंद थे, उद्योग रुक गए थे और करोड़ों लोगों की नौकरियां खतरे में पड़ गई थीं। उस समय लोगों को पहली बार एहसास हुआ कि कोई वैश्विक संकट केवल स्वास्थ्य तक सीमित नहीं रहता, बल्कि पूरी अर्थव्यवस्था को हिला सकता है। अब एक बार फिर दुनिया एक नए संकट की तरफ बढ़ती दिखाई दे रही है। फर्क सिर्फ इतना है कि इस बार खतरा वायरस नहीं, बल्कि भू–राजनीतिक तनाव, तेल संकट और आर्थिक अस्थिरता है।

ईरान को लेकर बढ़ते तनाव और पश्चिम एशिया में अस्थिर हालात ने पूरी दुनिया की चिंता बढ़ा दी है। तेल सप्लाई पर खतरे की आशंका मंडरा रही है। भारत जैसे देशों के लिए यह स्थिति ज्यादा गंभीर है क्योंकि हमारी अर्थव्यवस्था अब भी कई महत्वपूर्ण चीजों के लिए आयात पर निर्भर है। यही कारण है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी लगातार ऊर्जा बचाने, विदेशी मुद्रा बचाने और आत्मनिर्भर बनने की बात कर रहे हैं। यह केवल राजनीतिक बयान नहीं, बल्कि आने वाले आर्थिक संकट की चेतावनी माना जा रहा है।

किसी भी देश की अर्थव्यवस्था तभी मजबूत मानी जाती है जब उसकी ऊर्जा जरूरतें नियंत्रित हों और विदेशी मुद्रा भंडार सुरक्षित रहे। भारत की सबसे बड़ी चुनौती यही है कि हम अपनी जरूरत का लगभग 90 प्रतिशत कच्चा तेल विदेशों से खरीदते हैं। अगर पश्चिम एशिया में तनाव और बढ़ता है तो तेल की कीमतों में बड़ा उछाल आ सकता है। इसका सीधा असर पेट्रोल, डीजल, गैस और परिवहन पर पड़ेगा। यानी महंगाई हर घर तक पहुंच जाएगी। भारत ने 2024 में तेल आयात पर लगभग 12 लाख करोड़ रुपये खर्च किए थे। अगर कच्चा तेल और महंगा हुआ तो यह बोझ और बढ़ जाएगा। इसका असर सिर्फ सरकार की आर्थिक स्थिति पर नहीं, बल्कि आम आदमी की जेब पर भी दिखाई देगा। पेट्रोल महंगा होगा तो ट्रांसपोर्ट महंगा होगा, ट्रांसपोर्ट महंगा होगा तो खाने–पीने से लेकर रोजमर्रा की हर चीज की कीमत बढ़ेगी। यही वजह है कि सरकार ऊर्जा बचाने पर जोर दे रही है। तेल के बाद दूसरा बड़ा दबाव सोने का है। भारत में सोना केवल गहना नहीं, बल्कि सामाजिक प्रतिष्ठा और निवेश का प्रतीक माना जाता है। लेकिन आर्थिक नजरिये से देखें तो यह विदेशी मुद्रा पर भारी दबाव डालता है। भारत हर साल लाखों करोड़ रुपये का सोना विदेशों से खरीदता है और इसकी पेमेंट डॉलर में होती है। डॉलर जितना मजबूत होगा, सोना उतना महंगा होगा। यही वजह है कि सरकार बार–बार अनावश्यक सोना खरीदने से बचने की सलाह दे रही है। विदेश यात्रा और विदेशी सामानों पर बढ़ता खर्च भी चिंता की वजह है। पिछले कुछ वर्षों में भारतीयों ने विदेशों में लाखों करोड़ रुपये खर्च किए हैं। यह पैसा भारतीय बाजार में घूमने के बजाय दूसरे देशों की अर्थव्यवस्था को मजबूत करता है। संकट के समय अगर विदेशी मुद्रा तेजी से बाहर जाएगी तो रुपये पर दबाव बढ़ेगा और डॉलर और महंगा हो जाएगा।

यही कारण है कि "आत्मनिर्भर भारत" अब केवल नारा नहीं, बल्कि आर्थिक जरूरत बन चुका है। दुनिया के जिन देशों ने समय रहते अपनी उत्पादन क्षमता मजबूत की, वही आज वैश्विक संकटों का बेहतर सामना कर पा रहे हैं। जापान और दक्षिण कोरिया इसके बड़े उदाहरण हैं। इन देशों ने वर्षों पहले समझ लिया था कि केवल आयात पर निर्भर रहना खतरनाक हो सकता है। इसलिए उन्होंने इलेक्ट्रॉनिक्स, बैटरी, ऑटोमोबाइल और सेमीकंडक्टर जैसे क्षेत्रों में खुद को मजबूत बनाया।

चीन ने तो खुद को दुनिया की फैक्ट्री बना लिया। आज दुनिया का बड़ा हिस्सा चीनी उत्पादों और कच्चे माल पर निर्भर है। यही कारण है कि जब चीन किसी जरूरी मेटल या इलेक्ट्रॉनिक पुर्जे की सप्लाई रोकने का संकेत देता है, तो पूरी दुनिया में बेचैनी बढ़ जाती है। अमेरिका की ताकत भी केवल उसकी सेना नहीं, बल्कि उसकी आर्थिक और तकनीकी क्षमता है। दुनिया में वही देश प्रभावशाली बनता है जो उत्पादन, ऊर्जा और टेक्नोलॉजी में मजबूत हो। भारत के सामने सबसे बड़ी चुनौती यह है कि यहां विशाल उपभोक्ता बाजार तो है, लेकिन उत्पादन क्षमता अभी भी सीमित है। हम मोबाइल इस्तेमाल करते हैं, लेकिन उनके महत्वपूर्ण पुर्जे विदेशों से आते हैं। हम इलेक्ट्रिक वाहनों की बात करते हैं, लेकिन बैटरी तकनीक में अब भी दूसरे देशों पर निर्भर हैं। हम डिजिटल इंडिया का सपना देखते हैं, लेकिन सेमीकंडक्टर के लिए बाहरी देशों की तरफ देखना पड़ता है। अगर भविष्य में वैश्विक सप्लाई चेन प्रभावित हुई तो इसका सीधा असर भारतीय उद्योगों और रोजगार पर पड़ेगा। ऊर्जा बचत अब केवल पर्यावरण का मुद्दा नहीं रहा, बल्कि राष्ट्रीय सुरक्षा का विषय बन चुका है। अगर लोग सार्वजनिक परिवहन का ज्यादा उपयोग करें, बिजली की बर्बादी रोकें और स्थानीय उत्पादों को प्राथमिकता दें, तो इससे देश की विदेशी मुद्रा बच सकती है। मजबूत रुपया और नियंत्रित महंगाई तभी संभव है जब आयात पर निर्भरता कम हो। आर्थिक विशेषज्ञों को सबसे बड़ा डर "स्टैगफ्लेशन" का है। यह ऐसी स्थिति होती है जब महंगाई बढ़ती रहती है, लेकिन आर्थिक विकास धीमा पड़ जाता है। यानी चीजें महंगी होती जाती हैं, लेकिन लोगों की आमदनी उसी रफ्तार से नहीं बढ़ती। दुनिया के कई देशों में यह खतरा दिखाई देने लगा है। अगर पश्चिम एशिया का संकट लंबा चला तो भारत भी इससे अछूता नहीं रहेगा। हालांकि भारत अभी कई देशों की तुलना में बेहतर स्थिति में माना जा रहा है। सरकार ईंधन कीमतों को नियंत्रित रखने की कोशिश कर रही है और विदेशी मुद्रा भंडार भी अपेक्षाकृत मजबूत है। लेकिन लंबे समय तक वैश्विक दबाव को संभालना आसान नहीं होगा। इसलिए सरकार की अपीलों को केवल भाषण मानकर नजरअंदाज करना सही नहीं होगा। आज जरूरत इस बात की है कि भारत केवल उपभोग करने वाला देश न बने, बल्कि उत्पादन आधारित अर्थव्यवस्था की ओर तेजी से बढ़े। स्थानीय उद्योगों को बढ़ावा देना होगा, टेक्नोलॉजी में निवेश बढ़ाना होगा और युवाओं को रोजगार देने वाले विनिर्माण सेक्टर को मजबूत करना होगा।

आत्मनिर्भरता का अर्थ दुनिया से अलग होना नहीं, बल्कि इतनी क्षमता विकसित करना है कि किसी वैश्विक संकट के समय देश की अर्थव्यवस्था कमजोर न पड़े। भारत के पास युवा शक्ति, बड़ा बाजार और अपार संभावनाएं हैं। जरूरत सिर्फ मजबूत नीति और दूरदर्शी सोच की है। आने वाला समय उन्हीं देशों का होगा जो ऊर्जा, तकनीक और उत्पादन में आत्मनिर्भर होंगे। अगर भारत ने अभी सही दिशा में कदम बढ़ाए तो यह संकट देश के लिए अवसर साबित हो सकता है, लेकिन अगर हम केवल आयात और उपभोग पर निर्भर रहे, तो हर वैश्विक संकट हमारी अर्थव्यवस्था को बार–बार कमजोर करता रहेगा।

पंजाब किंग्स के लिए करो या मरो की स्थिति

एक हार बिगाड़ सकती है पूरा खेल

यूनिक समय, नई दिल्ली। आईपीएल 2026 में शानदार शुरुआत करने वाली पंजाब किंग्स की टीम अब मुश्किल दौर से गुजर रही है। कप्तान श्रेयस अय्यर की अगुवाई में टीम ने शुरुआती मुकाबलों में बेहतरीन प्रदर्शन किया था, लेकिन लगातार चार हार के बाद अब उसका प्लेऑफ में पहुंचना आसान नहीं रह गया है। फिलहाल पंजाब किंग्स 13 अंकों के साथ अंक तालिका में चौथे स्थान पर बनी हुई है, लेकिन आने वाले मुकाबले उसके भविष्य का फैसला करेंगे।

पंजाब किंग्स ने अब तक 11 मैच खेले हैं, जिनमें से छह में जीत, चार में हार और एक मुकाबला बारिश की वजह से बेनतीजा रहा। टीम के खाते में कुल 13 अंक हैं। अब उसके पास सिर्फ तीन लीग मैच बचे हैं और प्लेऑफ में जगह बनाने के लिए इन मुकाबलों में अच्छा प्रदर्शन बेहद जरूरी है। पंजाब के लिए सबसे आसान रास्ता यह है कि वह अपने बाकी तीन मैचों में से कम से कम दो मुकाबले जीत ले। ऐसा होने पर टीम के 17 अंक हो जाएंगे और उसका प्लेऑफ में पहुंचना लगभग तय माना जाएगा। अगर पंजाब तीनों मैच जीत जाती है तो वह टॉप-2 में भी जगह बना सकती है, जिससे उसे फाइनल में पहुंचने के दो मौके मिलेंगे। हालांकि अगर टीम सिर्फ एक मैच जीतती है तो उसके 15 अंक होंगे और फिर उसे दूसरी टीमों के नतीजों पर निर्भर रहना पड़ेगा।

ऐसे में नेट रन रेट भी अहम भूमिका निभा सकता है। पंजाब चाहेगी कि चेन्नई सुपर किंग्स और राजस्थान रॉयल्स जैसी टीमें अपने बाकी मुकाबलों में हारें ताकि वह उनसे आगे बनी रहे। सबसे खराब स्थिति तब होगी जब पंजाब अपने तीनों मैच हार जाए। ऐसी हालत में टीम 13 अंकों पर ही रुक जाएगी और प्लेऑफ की दौड़ से लगभग बाहर हो जाएगी। मुंबई इंडियंस के खिलाफ होने वाला अगला मुकाबला पंजाब के लिए बेहद अहम माना जा रहा है।

पंजाब किंग्स के बाकी मुकाबले

17 मई को आरसीबी से धर्मशाला में और 23 मई को लखनऊ सुपर जायंट्स से लखनऊमें मुकाबला होगा।

विराट कोहली ने टी20 क्रिकेट में रचा इतिहास

यूनिक समय, नई दिल्ली। रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु और कोलकाता नाइट राइडर्स के बीच खेले गए मुकाबले में विराट कोहली ने एक और ऐतिहासिक उपलब्धि अपने नाम कर ली। पिछले दो मैचों में शांत रहा उनका बल्ला इस मुकाबले में जमकर बोला और उन्होंने टी20 क्रिकेट में 14000 रन पूरे करने वाले पहले भारतीय बल्लेबाज बनने का रिकॉर्ड बना दिया।

विराट कोहली ने अपनी पारी का 78वां रन पूरा करते ही इस खास मुकाम को हासिल किया। वह टी20 क्रिकेट में 14000 रन पूरे करने वाले दुनिया के सिर्फ छठे खिलाड़ी बने हैं। खास बात यह रही कि उन्होंने यह उपलब्धि सबसे कम पारियों में हासिल की। कोहली ने सिर्फ 409 पारियों में 14000 रन पूरे किए, जबकि इससे पहले यह रिकॉर्ड वेस्टइंडीज के क्रिस गेल के नाम था, जिन्होंने 423 पारियों में यह आंकड़ा छुआ था।

टी20 क्रिकेट में सबसे तेज 14000 रन बनाने वाले खिलाड़ियों की सूची में विराट अब पहले स्थान पर पहुंच गए हैं। इस सूची में डेविड वॉर्नर, जोस बटलर और एलेक्स हेल्स जैसे दिग्गज बल्लेबाज भी शामिल हैं। इतना ही नहीं, कोहली ने इस मुकाबले में शानदार शतक भी जड़ा। यह उनके टी20 करियर का 10वां शतक रहा। इसके साथ ही उन्होंने ऑस्ट्रेलिया के डेविड वॉर्नर की बराबरी कर ली। टी20 क्रिकेट में सबसे ज्यादा शतक लगाने वाले खिलाड़ियों की सूची में अब विराट और वॉर्नर संयुक्त रूप से तीसरे स्थान पर हैं। क्रिस गेल 22 शतकों के साथ इस सूची में पहले नंबर पर हैं, जबकि बाबर आजम 13 शतकों के साथ दूसरे स्थान पर मौजूद हैं।

14000 रन पूरे करने वाले पहले भारतीय बने

थाईलैंड ओपन में भारत का शानदार प्रदर्शन

सिंधू और सात्विक-चिराग क्वार्टरफाइनल में पहुंचे

थाईलैंड ओपन बैडमिंटन टूर्नामेंट में भारत का प्रदर्शन लगातार मजबूत होता जा रहा है। दो बार की ओलंपिक पदक विजेता पीवी सिंधू और पुरुष युगल जोड़ी सात्विकसाइराज रैंकी रेड्डी-चिराग शेट्टी ने शानदार जीत दर्ज करते हुए क्वार्टरफाइनल में जगह बना ली है।

पीवी सिंधू ने महिला एकल प्री-क्वार्टरफाइनल में डेनमार्क की अमाली शुल्ज को एकतरफा मुकाबले में 21-13, 21-15 से हराया। यह मैच सिर्फ 28 मिनट चला, जिसमें सिंधू ने शुरू से अंत तक अपना दबदबा बनाए रखा। इससे पहले भी उन्होंने पहले दौर में चीनी ताइपे की खिलाड़ी को आसानी से मात दी थी। अब क्वार्टरफाइनल में उनका सामना जापान की विश्व चैंपियन अकाने यामागुची से होगा, जो एक बड़ा मुकाबला माना जा रहा है। वहीं पुरुष युगल में भारत की स्टार जोड़ी सात्विक-चिराग ने मलेशिया की जोड़ी को 21-12, 21-19 से हराकर शानदार जीत दर्ज की। इस मैच में दोनों खिलाड़ियों के बीच बेहतरीन तालमेल देखने को मिला। अब उनका अगला मुकाबला जापान की ताकुमी नोमुरा और युइची शिमोगामी की जोड़ी से होगा। सात्विक-चिराग इस टूर्नामेंट के शीर्ष वरीय खिलाड़ी हैं।

‘कृष्णावतारम’ में दिखा भगवान कृष्ण का मॉडर्न रूप

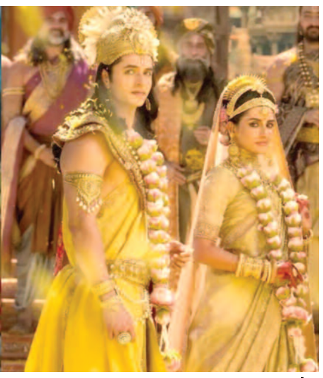

यूनिक समय, नई दिल्ली। माइथोलॉजिकल ड्रामा फिल्म ‘कृष्णावतारम – पार्ट 1: द हार्ट’ सिनेमाघरों में रिलीज हो चुकी है। निर्देशक हार्दिक गज्जर की यह फिल्म भगवान श्रीकृष्ण की कहानी को एक नए और मॉडर्न नजरिए से पेश करती है। फिल्म सिर्फ धार्मिक कथा तक सीमित नहीं रहती, बल्कि भावनाओं, रिश्तों और समानता जैसे मुद्दों को भी खूबसूरती से सामने लाती है।

फिल्म की शुरुआत भगवान कृष्ण के अंतिम क्षणों से होती है, जहां वह मृत्यु को भी एक उत्सव की तरह स्वीकार करते नजर आते हैं। यह दृश्य बेहद भावुक और काव्यात्मक बन पड़ा है। वहीं राधा का मौन प्रेम और विदाई का दृश्य दर्शकों को भावनात्मक रूप से जोड़ देता है। फिल्म की खास बात यह है कि इसमें आधुनिक दौर की सोच को भी शामिल किया गया है। कहानी जगन्नाथ मंदिर से शुरू होती है, जहां एक युवक भगवान और धर्म पर सवाल उठाता है। जैकी श्रॉफ पुजारी के किरदार में उसे कृष्ण की कथा सुनाते हैं और यहीं से दर्शक द्वारका के भव्य संसार में पहुंच जाते हैं।

फिल्म का सबसे बड़ा आकर्षण सत्यभामा का किरदार है। आमतौर पर फिल्मों में राधा-कृष्ण की प्रेम कहानी पर ज्यादा फोकस रहता है, लेकिन यहां सत्यभामा और कृष्ण के रिश्ते को अलग अंदाज में दिखाया गया है। संस्कृती जयाना ने अपने अभिनय से किरदार में जान डाल दी है। वहीं रुक्मिणी के रूप में निवाशीनी कृष्णन भी प्रभावित करती हैं। फिल्म में कृष्ण और रुक्मिणी के बीच समानता और सम्मान को बेहद सुंदर तरीके से दिखाया गया है। सिद्धार्थ गुप्ता ने कृष्ण के किरदार को शांत और आकर्षक अंदाज में निभाया है। शुरुआत में उनका लुक थोड़ा अलग लग सकता है, लेकिन आगे चलकर वह दर्शकों का दिल जीत लेते हैं। फिल्म की सिनेमैटोग्राफी, वीएफएक्स और संगीत इसकी सबसे बड़ी ताकत हैं। हर फ्रेम किसी पेंटिंग जैसा नजर आता है। हालांकि फिल्म का पहला भाग थोड़ा धीमा लगता है और रनटाइम भी लंबा महसूस होता है, लेकिन भावनात्मक गहराई और शानदार प्रस्तुति इसे खास बना देती है। ‘कृष्णावतारम’ एक ऐसी फिल्म है जो भगवान कृष्ण को सिर्फ देवता नहीं, बल्कि आज के दौर में भी प्रासंगिक व्यक्तित्व के रूप में पेश करती है।

राधा, रुक्मिणी और सत्यभामा के रिश्तों के बीच दिखा कृष्ण का अलग रूप, फिल्म ने छोड़ी गहरी छाप

कान्स 2026 में आलिया भट्ट का जलवा

फैन्स को आई ऐश्वर्या राय की याद

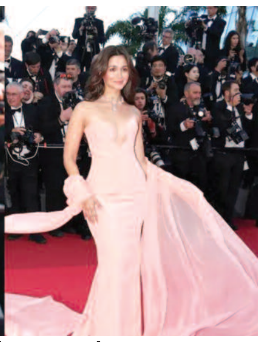

यूनिक समय, नई दिल्ली। कान्स फिल्म फेस्टिवल 2026 इन दिनों दुनियाभर में चर्चा का विषय बना हुआ है। इस प्रतिष्ठित फेस्टिवल में बॉलीवुड अभिनेत्री आलिया भट्ट ने अपनी शानदार मौजूदगी से खूब सुर्खियां बटोरीं। आलिया ने रेड कार्पेट पर बेहद खूबसूरत ड्रेस पहनकर अपनी अदाओं का ऐसा जलवा बिखेरा कि उनकी तस्वीरें और वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो गए। फैन्स ने उनकी खूबसूरती, स्टाइल और कॉन्फिडेंस की जमकर तारीफ की।

आलिया भट्ट ने अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर भी कान्स लुक की कई तस्वीरें शेयर कीं, जिन्हें लाखों लोगों ने पसंद किया। उनके फैशन सेंस और एलिगेंट अंदाज की हर तरफ चर्चा हो रही है। हालांकि, सोशल मीडिया पर कुछ लोगों ने उन्हें ट्रोल करने की भी कोशिश की। वायरल वीडियो में देखा गया कि कुछ फोटोग्राफर्स ने आलिया की ओर ज्यादा ध्यान नहीं दिया, जिसके बाद कई यूजर्स ने दावा किया कि वहां मौजूद लोग उन्हें पहचान नहीं पाए। वहीं दूसरी ओर, कई फैन्स ने आलिया का समर्थन करते हुए कहा कि वीडियो का केवल एक हिस्सा वायरल किया गया है, जबकि दूसरी तरफ मौजूद फोटोग्राफर्स लगातार उनकी तस्वीरें क्लिक कर रहे थे।

इस बीच, कान्स फेस्टिवल में ऐश्वर्या राय की गैरमौजूदगी भी चर्चा का विषय बनी रही। हर साल अपने ग्लैमरस लुक से कान्स में छाने वाली ऐश्वर्या राय को इस बार फैन्स ने काफी मिस किया। सोशल मीडिया पर कई लोगों ने लिखा कि कान्स का रेड कार्पेट ऐश्वर्या राय के बिना अधूरा लग रहा है।

‘इंस्पेक्टर अविनाश’ सीजन 2 से लौटे रणदीप हुड्डा, फिर दिखे दमदार अंदाज में

यूनिक समय, नई दिल्ली। ओटीटी प्लेटफॉर्म जियो हॉटस्टार पर एक बार फिर धमाकेदार एक्शन और क्राइम ड्रामा देखने को मिलने वाला है। सुपरहिट वेब सीरीज ‘इंस्पेक्टर अविनाश’ अपने दूसरे सीजन के साथ वापसी कर रही है। इस सीरीज में रणदीप हुड्डा एक बार फिर पुलिस ऑफिसर अविनाश मिश्रा के किरदार में नजर आएंगे। सीरीज का नया सीजन 15 मई से स्ट्रीम होने जा रहा है, जिसे लेकर फैन्स में जबरदस्त उत्साह है।

जियो हॉटस्टार ने हाल ही में सीरीज का ट्रेलर रिलीज किया था, जिसने दर्शकों की एक्साइटमेंट और बढ़ा दी। ट्रेलर में दमदार एक्शन, सस्पेंस और इमोशनल ड्रामा की झलक देखने को मिली। ट्रेलर के साथ लिखा गया, "इस बार खेल बड़ा, दुश्मन खतरनाक, पर इंस्पेक्टर अविनाश करेगा सबका अंत।" सीरीज की कहानी 1990 के दशक के उत्तर प्रदेश की पृष्ठभूमि पर आधारित है, जहां अपराध, माफिया और अवैध हथियारों का आतंक चरम पर था।

अविनाश मिश्रा एक तेजतर्रार पुलिस अधिकारी हैं, जिन्हें अपराधियों के खिलाफ विशेष अभियान चलाने की जिम्मेदारी दी जाती है। सीजन 2 में कहानी और भी ज्यादा रोमांचक हो जाती है। अपने बेटे की हत्या के मामले में फंसने के बाद अविनाश मिश्रा खुद मुश्किलों में घिर जाते हैं। उन्हें सस्पेंड कर गिरफ्तार कर लिया जाता है और एक बड़ी राजनीतिक साजिश में फंसा दिया जाता है। अब उन्हें अपनी बेगुनाही साबित करने के साथ परिवार की रक्षा भी करनी होगी। सीरीज में रणदीप हुड्डा के अलावा उर्वशी रौतेला, अमित सियाल, अभिमन्यु सिंह और शालिन भनोट जैसे कलाकार भी अहम भूमिकाओं में नजर आएंगे।

गानों के राइट्स विवाद पर कोर्ट का फैसला

वाशु भगनानी ने बताई पूरी सच्चाई

यूनिक समय, नई दिल्ली। फिल्म निर्माता वाशु भगनानी ने म्यूजिक राइट्स विवाद में आए कोर्ट के फैसले का स्वागत किया है। यह मामला ‘कुली नंबर 1’, ‘हीरो नंबर 1’, ‘बीवी नंबर 1’ और ‘बड़े मियां छोटे मियां’ जैसी फिल्मों के गानों के अधिकारों से जुड़ा था। भगनानी ने बताया कि 2018 में उन्होंने अपनी फिल्मों के म्यूजिक राइट्स वापस मांगे थे, जिसके बाद विवाद शुरू हुआ। उन्होंने आरोप लगाया कि बिना अनुमति उनके लोकप्रिय गाने ‘चुनरी चुनरी’ का इस्तेमाल नई फिल्म में किया गया। इस बात से आहत होकर उन्हें अदालत का दरवाजा खटखटाना पड़ा।

वाशु भगनानी ने कहा कि यह फैसला केवल उनकी नहीं, बल्कि सभी फिल्म निर्माताओं की जीत है। उन्होंने गीतकार जावेद अख्तर की भी तारीफ की और कहा कि उन्होंने रॉयल्टी और बौद्धिक संपदा अधिकारों के लिए लंबी लड़ाई लड़ी, जिसका फायदा अब पूरे फिल्म उद्योग को मिल रहा है।

यूपी में आंधी-तूफान का कहर

24 घंटे में 100 लोगों की मौत

यूनिक समय, लखनऊ। उत्तर प्रदेश में आंधी, तूफान और तेज बारिश ने भारी तबाही मचा दी। पिछले 24 घंटे में अलग-अलग हादसों में करीब 100 लोगों की मौत हो गई, जबकि कई लोग घायल हुए हैं। बाराबंकी, सीतापुर, देवरिया समेत कई जिलों के 2000 से अधिक गांवों की बिजली आपूर्ति ठप हो गई। तेज हवाओं के कारण पेड़, बिजली के खंभे और टिनशेड उखड़ गए।

सबसे चौंकाने वाली घटना बरेली में सामने आई, जहां 90 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से चली आंधी में एक युवक टिनशेड के साथ करीब 50 फीट हवा में उड़ गया। युवक लगभग 100 मीटर दूर खेत में जाकर गिरा। हादसे में उसका हाथ टूट गया। अस्पताल में इलाज के बाद उसे घर भेज दिया गया। युवक के हवा में उड़ने का वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है। प्रयागराज में सबसे ज्यादा 21 लोगों की मौत हुई, जबकि भदोही में 17 और मिर्जापुर में 15 लोगों ने जान गंवाई। फतेहपुर में 10, बदायूं में 6 और प्रतापगढ़ व बरेली में 4-4 लोगों की मौत हुई। रायबरेली में पेड़ गिरने और करंट लगने से दो लोगों की जान चली गई। मिर्जापुर में 11 वर्षीय बच्चे की पेड़ गिरने से दर्दनाक मौत हो गई। गोंडा में स्कॉर्पियो पर नीम का पेड़ गिरने से वाहन पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया। उन्नाव में कार पर पेड़ गिर गया, जबकि फतेहपुर में दुकानों के टिनशेड उड़ गए। भदोही में गंगा पर बना पीपा पुल तूफान के कारण बीच से टूट गया, जिससे आवागमन बंद हो गया।

सहारनपुर में ओलावृष्टि और बारिश से सब्जियों की फसल बर्बाद हो गई।

टिनशेड संग 50 फीट उड़ा युवक, हजारों गांवों की बिजली गुल

किसानों का कहना है कि टमाटर, लौकी, खीरा और शिमला मिर्च जैसी फसलें सड़ने लगी हैं, जिससे उन्हें भारी आर्थिक नुकसान हुआ है। योगी आदित्यनाथ ने मृतकों के परिजनों के प्रति संवेदना व्यक्त करते हुए अधिकारियों को 24 घंटे के भीतर राहत और मुआवजा उपलब्ध कराने के निर्देश दिए हैं।

उन्होंने सभी जिलों के अधिकारियों को अलर्ट मोड पर रहने को कहा है। मौसम विभाग ने गुरुवार को प्रदेश के 51 जिलों में आंधी और बारिश का अलर्ट जारी किया है। मौसम वैज्ञानिकों के अनुसार 16 मई से प्रदेश में गर्मी और लू का असर बढ़ने लगेगा। आने वाले दिनों में तापमान 45 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच सकता है।

बांदा में दर्दनाक हादसा

एक परिवार के चार लोगों की मौत

यूनिक समय, बांदा। बांदा के बुंदेलखंड एक्सप्रेस-वे पर गुरुवार सुबह हुए भीषण सड़क हादसे में एक ही परिवार के चार लोगों की मौत हो गई, जबकि एक युवती गंभीर रूप से घायल हो गई। हादसा कोतवाली देहात क्षेत्र के हथौड़ा गांव के पास किलोमीटर संख्या 47.8 पर हुआ, जहां तेज रफ्तार स्कॉर्पियो-एन आगे चल रहे सिलेंडर लदे ट्रक में जा घुसी। टक्कर इतनी भीषण थी कि कार का आधा हिस्सा ट्रक के नीचे फंस गया।

मृतकों में महोबा के कबरई निवासी व्यवसायी अजीत विश्वकर्मा, उनकी मां प्रेमशिला, दादी चंद्रावती और चाची निशा विश्वकर्मा शामिल हैं। हादसे में अजीत की 19 वर्षीय चचेरी बहन रिया गंभीर रूप से घायल हुई है, जिसे कानपुर रेफर किया गया है।

जानकारी के अनुसार परिवार आजमगढ़ में कुलदेवता की पूजा कर देर रात महोबा लौट रहा था। सुबह करीब 9 बजे बांदा पहुंचने पर चालक अजीत को झपकी आ गई, जिससे स्कॉर्पियो बेकाबू होकर ट्रक से टकरा गई। हादसे में कार बुरी तरह पिचक गई

ट्रक में घुसी स्कॉर्पियो, क्रेन से निकाले गए शव

और अंदर बैठे लोग फंस गए।

प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक टक्कर के बाद कार में लगे एयरबैग खुल गए, लेकिन जोरदार टक्कर के कारण वे भी फट गए। अजीत का शव ड्राइविंग सीट और इंजन के बीच फंस गया था, जबकि आगे बैठी महिला का शव डैशबोर्ड में दबा था। पुलिस ने दो क्रेन बुलाकर ट्रक और कार को अलग किया, तब जाकर शव बाहर निकाले जा सके।

घटना के बाद एक्सप्रेस-वे पर अफरा-तफरी मच गई। स्थानीय लोगों ने पुलिस को सूचना दी, जिसके बाद राहत और बचाव कार्य शुरू हुआ। हादसे के बाद ट्रक चालक मौके से फरार हो गया।

पलाश बंसल ने बताया कि हादसे में चार लोगों की मौत हुई है। घायल युवती सदमे में है और उसका इलाज जारी है। पुलिस ने मामला दर्ज कर फरार ट्रक चालक की तलाश शुरू कर दी है।

आगरा में अंसल हाउसिंग की करोड़ों की संपत्ति कुर्क

यूनिक समय, आगरा। आगरा में जिला प्रशासन ने बकाया स्टांप शुल्क की वसूली को लेकर अंसल हाउसिंग एंड कंस्ट्रक्शन लिमिटेड की करोड़ों रुपए की संपत्ति कुर्क कर दी। प्रशासन ने ताजगंज थाना क्षेत्र के मौजा बगदा स्थित कंपनी के कार्यालय को सील कर दिया है। लंबे समय से 1.67 करोड़ रुपए का बकाया जमा न करने पर यह सख्त कार्रवाई की गई।

जानकारी के अनुसार कंपनी ने वर्ष 2006 में मौजा बगदा में करीब तीन बीघा जमीन खरीदी थी। जमीन की रजिस्ट्री के दौरान देय 24.88 लाख रुपए का स्टांप शुल्क जमा नहीं किया गया। राजस्व विभाग की ओर से कई

1.67 करोड़ स्टांप शुल्क बकाया पर प्रशासन की बड़ी कार्रवाई

बार नोटिस जारी किए गए, लेकिन कंपनी ने भुगतान नहीं किया। समय के साथ ब्याज और अन्य देयों को मिलाकर यह राशि बढ़कर 1.67 करोड़ रुपए पहुंच गई। मनीष बंसल के निर्देश पर एसडीएम सदर सचिन राजपूत ने राजस्व विभाग की टीम के साथ कार्रवाई की। नायब तहसीलदार अनिल चौधरी और अन्य अधिकारियों ने मौजा बगदा पहुंचकर कंपनी की अचल संपत्तियों को कुर्क किया और कार्यालय पर सील लगा दी।

एसडीएम सदर सचिन राजपूत ने बताया कि प्रशासन ने आरसी प्रपत्र-41 के तहत नियम 158 और 162 की कार्रवाई करते हुए भूमि और अन्य संपत्तियों को जब्त किया है। कुर्की नोटिस में कंपनी के अधिकृत प्रतिनिधि किशन कुमार निवासी शिवनगर, आगरा को डिफॉल्टर घोषित किया गया है।

प्रशासन ने स्पष्ट चेतावनी दी है कि जब्त की गई संपत्ति का किसी भी प्रकार से हस्तांतरण, बिक्री, दान या अन्य लेन-देन पूरी तरह प्रतिबंधित रहेगा। जिला प्रशासन की इस कार्रवाई के बाद अन्य बकायेदारों में भी हड़कंप मच गया है।

साइबर ठगों के निशाने पर बेरोजगार और गरीब लोग

यूनिक समय, वाराणसी। वाराणसी में साइबर अपराधियों ने बेरोजगार युवकों और मलिन बस्तियों में रहने वाले लोगों को अपना आसान निशाना बना लिया है। साइबर क्राइम पुलिस ने 250 से अधिक ऐसे बैंक खातों को चिन्हित किया है, जिनका इस्तेमाल ऑनलाइन ठगी की रकम ट्रांसफर करने और छिपाने के लिए किया जा रहा था। इन खातों में 5 से 6 करोड़ रुपये तक के लेनदेन की जानकारी सामने आई है।

पुलिस के अनुसार साइबर ठग पार्ट-टाइम जॉब और जल्दी पैसा कमाने का लालच देकर लोगों के बैंक खाते किराये पर लेते हैं। बाद में इन्हीं खातों का इस्तेमाल साइबर फ्रॉड की रकम इधर-उधर करने में किया जाता है। वाराणसी से लेकर गुजरात और लखनऊ तक करीब 2000 फर्जी या डमी खातों का नेटवर्क सक्रिय होने की आशंका है। साइबर अपराधी खुद को

वाराणसी में 250 से ज्यादा संदिग्ध खाते चिन्हित

बैंक अधिकारी, ट्राई या ईडी अधिकारी बताकर वीडियो कॉल और डिजिटल अरेस्ट जैसी तरकीबों से लोगों को ठगी का शिकार बना रहे हैं। हाल ही में पश्चिम बंगाल से एक गिरोह पकड़ा गया था, जो एपीके फाइल भेजकर लोगों के बैंक खाते खाली कर देता था।

विदुष सक्सेना ने बताया कि यदि किसी व्यक्ति का बैंक खाता म्यूल अकाउंट के रूप में इस्तेमाल होता है, तो उसका खाता फ्रीज किया जा सकता है और उसे पुलिस जांच का सामना भी करना पड़ सकता है। उन्होंने लोगों से अपील की कि वे किसी अनजान व्यक्ति को अपना बैंक खाता, एटीएम या चेकबुक न दें और साइबर फ्रॉड होने पर तुरंत 1930 हेल्पलाइन पर शिकायत करें।

प्रतीक यादव को नम आंखों से दी अंतिम विदाई

यूनिक समय, लखनऊ। समाजवादी पार्टी के संस्थापक मुलायम सिंह यादव के छोटे बेटे प्रतीक यादव का गुरुवार को लखनऊ के बैकुंठधाम में अंतिम संस्कार कर दिया गया।

अंतिम संस्कार के दौरान पूरा यादव परिवार मौजूद रहा और माहौल बेहद भावुक दिखाई दिया। प्रतीक यादव के ससुर अरविंद सिंह बिष्ट ने उन्हें मुखाग्नि दी। इस दौरान सपा प्रमुख अखिलेश यादव, शिवपाल सिंह यादव, सांसद डिंपल यादव सहित परिवार के अन्य सदस्य मौजूद रहे।

बताया गया कि प्रतीक यादव का निधन हृदय गति रुकने और फेफड़ों में रक्त का थक्का जमने के कारण हुआ। बुधवार तड़के वह विक्रमादित्य मार्ग स्थित आवास पर अचेत अवस्था में मिले थे। इसके बाद उन्हें तुरंत अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने मृत घोषित कर दिया। निधन की खबर सामने आते ही राजनीतिक और सामाजिक जगत में शोक की लहर दौड़ गई। अंतिम दर्शन के लिए उनके पार्थिव शरीर को घर पर रखा गया, जहां सुबह से ही नेताओं, समर्थकों और शुभचिंतकों की भीड़ उमड़ पड़ी। उपमुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक, मंत्री ओम प्रकाश राजभर और बेबी रानी मौर्य समेत कई नेताओं ने श्रद्धांजलि अर्पित की। अंतिम यात्रा के दौरान पत्नी अपर्णा यादव खुद को संभाल नहीं सकीं और

बैकुंठधाम में हुआ अंतिम संस्कार, भावुक दिखा पूरा परिवार

फूट-फूटकर रो पड़ीं। उनकी दोनों बेटियां भी बेहद भावुक नजर आईं। शिवपाल सिंह यादव ने दोनों बच्चियों को सांत्वना दी और परिवार को ढांढस बंधाया। बैकुंठधाम में भारी सुरक्षा व्यवस्था के बीच अंतिम संस्कार संपन्न हुआ। अंतिम यात्रा में बड़ी संख्या में समर्थक शामिल हुए। हर चेहरा गमगीन था और हर आंख नम दिखाई दी। प्रतीक यादव के निधन को राजनीतिक जगत के लिए एक बड़ी क्षति माना जा रहा है।

जुबैर एनकाउंटर के बाद अलीगढ़ में बढ़ा तनाव

यूनिक समय, अलीगढ़। उत्तर प्रदेश एसटीएफ द्वारा मेरठ में बदमाश जुबैर के एनकाउंटर के बाद अलीगढ़ में तनाव का माहौल है। जुबैर की बहन मुबश्शिरा का सोशल मीडिया पोस्ट वायरल होने के बाद पुलिस अलर्ट हो गई है। पोस्ट में उसने कहा, "एक शेर गया है, अभी दो जिंदा हैं।" इसके बाद संवेदनशील इलाकों में अतिरिक्त पुलिस बल तैनात किया गया।

बहन की धमकी के बाद पुलिस अलर्ट

जुबैर पर अलीगढ़ मुस्लिम यूनिवर्सिटी के शिक्षक राव दानिश अली की हत्या का आरोप था। पुलिस के अनुसार वह मुनीर गैंग का सदस्य था और लंबे समय से फरार चल रहा था। मेरठ में मुठभेड़ के दौरान उसके पास से हथियार भी बरामद किए गए।

दिल्ली लाल किला ब्लास्ट केस

एमआईए की 7500 पन्नों की चार्जशीट में बड़ा खुलासा

आतंकी साजिश से लेकर आईईडी नेटवर्क तक, जांच में सामने आए खतरनाक राज

यूनिक समय, नई दिल्ली। दिल्ली के लाल किला इलाके में हुए कार बम धमाके मामले में राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एमआईए) ने 7500 पन्नों की विस्तृत चार्जशीट दाखिल कर दी है। इस मामले में 10 आरोपियों के नाम शामिल किए गए हैं। यह धमाका 10 नवंबर 2025 को हुआ था, जिसमें 11 लोगों की मौत हुई थी और कई अन्य घायल हुए थे। घटना ने राजधानी दिल्ली को हिला कर रख दिया था।

एमआईए की जांच के अनुसार, आरोपी अल–कायदा इन इंडियन सबकॉन्टिनेंट (आईक्यूआईएस) से जुड़े संगठन अंसार गजवत-उल-हिंद से संबंध रखते थे। इस मॉड्यूल का उद्देश्य भारत में लोकतांत्रिक व्यवस्था को कमजोर कर शरिया कानून लागू करना था। चार्जशीट में 'ऑपरेशन हेवनली हिंद' नाम की साजिश का भी जिक्र है। इस मामले में मुख्य आरोपी डॉ. उमर उन नबी था, जिसकी मौत हो चुकी है। एनआईए ने उसके खिलाफ आरोप समाप्त करने का प्रस्ताव दिया है। अन्य आरोपियों में कई डॉक्टर और अन्य संदिग्ध शामिल हैं। जांच में सामने आया कि आरोपियों ने बड़े पैमाने पर विस्फोटक तैयार करने के लिए रसायनों का उपयोग किया और टीएटीपी जैसे खतरनाक आईईडी बनाए। इसके अलावा, उन्होंने अङ–47, क्रिंकोव राइफल और अन्य अवैध हथियार भी जुटाए थे।

एजेंसी के अनुसार, आरोपियों ने न केवल विस्फोटकों का परीक्षण किया बल्कि रॉकेट और ड्रोन आधारित हमलों की भी योजना बनाई थी। यह नेटवर्क जम्मू–कश्मीर, हरियाणा, यूपी और अन्य राज्यों तक फैला हुआ था।

फडणवीस का अनोखा अंदाज बुलेट से पहुंचे विधान भवन

यूनिक समय, नई दिल्ली। महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस आज एक अलग ही अंदाज में नजर आए। आमतौर पर भारी–भरकम काफिले में चलने वाले मुख्यमंत्री इस बार बुलेट मोटरसाइकिल पर सवार होकर विधान भवन पहुंचे। यह कदम प्रधानमंत्री की अपील के बाद लिया गया, जिसमें ईंधन की बचत और सरकारी खर्च कम करने की बात कही गई थी।

मुख्यमंत्री फडणवीस ने बताया कि मंत्रियों के काफिले में वाहनों की संख्या घटाने के निर्देश दिए गए हैं। साथ ही सभी विभागों को पेट्रोल–डीजल की खपत कम करने और बजट में कटौती करने को कहा गया है। सरकार का उद्देश्य प्रशासन में सादगी और संसाधनों की बचत को बढ़ावा देना है। फडणवीस ने यह भी कहा कि आने वाले छह महीनों तक कोई बड़ा सरकारी आयोजन नहीं किया जाएगा। पहले से तय सातारा का कार्यक्रम इस अवधि का अंतिम बड़ा आयोजन होगा।

इसके बाद बड़े सरकारी कार्यक्रमों पर रोक रहेगी। सरकार ने गैर–जरूरी विदेशी दौरों को भी रद्द करने का फैसला लिया है, ताकि सरकारी खर्चों में कमी लाई जा सके और संसाधनों का बेहतर उपयोग हो सके। मुख्यमंत्री ने कहा कि बुलेट पर आने का मकसद जनता को संदेश देना था कि जब जनप्रतिनिधि खुद सादगी अपनाते हैं, तो आम लोग भी प्रेरित होते हैं। इस दौरान मंत्री नितेश राणे भी पैदल चलकर मंत्रालय पहुंचे और उन्होंने भी सादगी का उदाहरण पेश किया।

ममता के करीबी पूर्व डीसीपी शांतनु सिन्हा बिस्वास गिरफ्तार

यूनिक समय, नई दिल्ली। कोलकाता में बड़ा प्रशासनिक और राजनीतिक घटनाक्रम सामने आया है। कोलकाता पुलिस के पूर्व डिप्टी कमिश्नर शांतनु सिन्हा बिस्वास को गुरुवार को गिरफ्तार कर लिया गया। उन पर पद के दुरुपयोग, राजनीतिक प्रभाव के इस्तेमाल और करोड़ों रुपये के मनी लॉन्ड्रिंग से जुड़े आरोप लगाए गए हैं।

प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने हाल ही में उनके खिलाफ लुकआउट नोटिस जारी किया था। इससे पहले एजेंसी उन्हें पांच बार समन भेज चुकी थी, लेकिन वे जांच में शामिल नहीं हुए। 28 अप्रैल को भी उन्हें पूछताछ के लिए बुलाया गया था, लेकिन वे पेश नहीं हुए। इसके बाद एऊने कार्रवाई तेज कर दी। ईडी ने उनके बालीगंज और गोलपार्क स्थित ठिकानों पर छापेमारी की थी। इस दौरान नकदी, सोने–चांदी के आभूषण और अन्य आपत्तिजनक सामग्री बरामद हुई थी। जांच एजेंसी का कहना है कि यह संपत्ति कथित अवैध कमाई से जुड़ी हो सकती है। जांच में बिस्वास का नाम कुख्यात अपराधी बिस्वजीत पोद्दार उर्फ 'सोना पप्पू' से भी जुड़ता पाया गया है।

आरोप है कि उन्होंने अपने पद का इस्तेमाल कर उसके अवैध कारोबार को संरक्षण दिया और बदले में आर्थिक लाभ लिया। शांतनु सिन्हा बिस्वास को तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) सुप्रीमो ममता बनर्जी का करीबी माना जाता रहा है।

बिहार में दिल दहला देने वाली वारदात

जमीन विवाद में मां की गला रेतकर हत्या

यूनिक समय, नई दिल्ली। बिहार के नालंदा जिले से एक ऐसी घटना सामने आई है जिसने पूरे इलाके को हिला दिया है। जमीन और संपत्ति के विवाद में दो बेटों पर अपनी ही मां की गला रेतकर हत्या करने का गंभीर आरोप लगा है। यह वारदात चंडी थाना क्षेत्र के बदौरा गांव की बताई जा रही है, जहां रिश्तों को शर्मसार कर देने वाली यह घटना हुई।

मृतका की पहचान जिलवी देवी के रूप में हुई है, जो अपने मायके में रह रही थीं। परिजनों के अनुसार, उनके बड़े और मंझले बेटे के साथ जमीन को लेकर लंबे समय से विवाद चल रहा था। दोनों बेटे अक्सर अपनी मां से संपत्ति को लेकर झगड़ा करते थे और कई बार मारपीट की घटनाएं भी हो चुकी थीं। सबसे चौंकाने वाली बात यह है कि मृतका ने कुछ दिनों पहले ही चंडी थाना पहुंचकर पुलिस से सुरक्षा की गुहार लगाई थी।

उन्होंने लिखित शिकायत में आशंका जताई थी कि उनके बेटे उनकी हत्या कर सकते हैं। इससे पहले भी उन पर हमला हो चुका था, जिसके बाद उन्होंने पड़ोसियों के घर में छिपकर अपनी जान बचाई थी।

घटना के बाद ग्रामीणों का गुस्सा फूट पड़ा और उन्होंने सड़क जाम कर विरोध प्रदर्शन किया। लोगों ने आरोपियों की तुरंत गिरफ्तारी की मांग की। स्थिति बिगड़ने पर पुलिस को मौके पर पहुंचकर हालात काबू में करने पड़े। करीब तीन घंटे बाद जाम हटाया जा सका।

दिल्ली में शर्मनाक वारदात, प्राइवेट बस में महिला से गैंगरेप, दो आरोपी गिरफ्तार

यूनिक समय, नई दिल्ली। राजधानी दिल्ली एक बार फिर दर्दनाक और शर्मसार कर देने वाली घटना से दहल गई है। जानकारी के अनुसार एक प्राइवेट बस में महिला के साथ गैंगरेप की वारदात को अंजाम दिया गया, जिसके बाद पुलिस ने तेजी से कार्रवाई करते हुए दो आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है।

पुलिस के मुताबिक पीड़िता महिला को आरोपियों ने रानी बाग इलाके से बस में बैठाया था। इसके बाद उसे नांगलोई इलाके में ले जाकर इस जघन्य अपराध को अंजाम दिया गया। घटना के बाद पीड़िता ने पुलिस को सूचना दी, जिसके आधार पर तुरंत कार्रवाई शुरू की गई। दिल्ली पुलिस ने मामले में शामिल बस चालक और कंडक्टर को गिरफ्तार कर लिया है। साथ ही वारदात में इस्तेमाल की गई प्राइवेट बस को भी जब्त कर लिया गया है। बताया जा रहा है कि बस का रजिस्ट्रेशन बिहार का है।

पुलिस ने पीड़िता की शिकायत के आधार पर मामला दर्ज कर लिया है और उसका मेडिकल परीक्षण भी कराया गया है। यह घटना दो दिन पुरानी बताई जा रही है। पीड़िता शादीशुदा है और उसके तीन बच्चे हैं। दिल्ली पुलिस ने कहा है कि पूरे मामले की गंभीरता से जांच की जा रही है और आगे की कानूनी कार्रवाई तेज कर दी गई है। पुलिस यह भी पता लगाने की कोशिश कर रही है कि घटना में और कोई व्यक्ति शामिल था या नहीं।

जालंधर बीएसएफ कैंप ब्लास्ट केस में आरोपी गिरफ्तार

यूनिक समय, नई दिल्ली। पंजाब के जालंधर में इरा कैंप के बाहर हुए धमाके के मामले में पुलिस ने बड़ी सफलता हासिल करते हुए एक आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। यह धमाका पांच मई को हुआ था, जिसमें स्कूटर में रखे आइईडी से विस्फोट किया गया था। जांच में सामने आया है कि आरोपी ने बेहद खतरनाक तरीका अपनाते हुए आइईडी में सिम कार्ड लगाया था और उसी नंबर पर कॉल करके ब्लास्ट को अंजाम दिया गया। पुलिस के अनुसार, आरोपी पंजाब का रहने वाला है और उसे विस्फोटक सप्लाई करने वाले नेटवर्क की तलाश जारी है।

ताइवान को लेकर तनाव बढ़ा

शी जिनपिंग की चेतावनी से बढ़ा अमेरिका–चीन विवाद

यूनिक समय, नई दिल्ली। बीजिंग में अमेरिका और चीन के बीच उच्चस्तरीय बैठक के दौरान बड़ा राजनीतिक बयान सामने आया है। इस मुलाकात में चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग और अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के बीच बातचीत हुई, जिसमें दोनों देशों के संबंधों और वैश्विक मुद्दों पर चर्चा की गई। हालांकि, इस दौरान ताइवान को लेकर तनाव स्पष्ट रूप से सामने आ गया।

शी जिनपिंग ने ताइवान को लेकर सख्त रुख अपनाते हुए कहा कि यदि इस मुद्दे को सही तरीके से नहीं संभाला गया तो चीन और अमेरिका के बीच गंभीर टकराव हो सकता है। उन्होंने चेतावनी दी कि गलत फैसलों की स्थिति में दोनों देशों के रिश्ते बेहद खतरनाक मोड़ पर पहुंच सकते हैं और यहां तक कि संघर्ष की स्थिति भी बन सकती है। उन्होंने कहा कि ताइवान का मुद्दा चीन–अमेरिका संबंधों का सबसे अहम और संवेदनशील विषय है, जिसे बेहद सावधानी से संभालना जरूरी है। जिनपिंग के मुताबिक, अगर इसे ठीक ढंग से सुलझाया गया तो दोनों देशों के रिश्ते स्थिर रह सकते हैं, लेकिन लापरवाही की स्थिति में हालात बिगड़ सकते हैं।

हालांकि सख्त बयान के बावजूद शी जिनपिंग ने यह भी कहा कि अमेरिका और चीन को एक–दूसरे का विरोधी नहीं, बल्कि साझेदार होना चाहिए। उन्होंने जोर दिया कि दोनों देशों को एक–दूसरे की तरक्की में सहयोग करना चाहिए और वैश्विक चुनौतियों का मिलकर सामना करना चाहिए।

बैठक के दौरान डोनाल्ड ट्रंप ने भी सकारात्मक रुख दिखाते हुए शी जिनपिंग को एक महान नेता बताया। उन्होंने कहा कि चीन के राष्ट्रपति के साथ काम करना उनके लिए गर्व की बात है। दोनों नेताओं ने संबंध सुधारने और संवाद जारी रखने पर सहमति जताई, हालांकि ताइवान मुद्दे पर तनाव बरकरार दिखाई दिया।

लाड़ली बहना योजना की 36वीं किस्त जारी

खातों में पहुंचे 1835 करोड़ रुपये

यूनिक समय, नई दिल्ली। मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने नरसिंहपुर जिले के मुंगवानी में आयोजित कार्यक्रम के दौरान 'मुख्यमंत्री लाड़ली बहना योजना' की 36वीं किस्त जारी की।

इस दौरान प्रदेश की 1.25 करोड़ से अधिक लाड़ली बहनों के बैंक खातों में सिंगल क्लिक से कुल 1835 करोड़ रुपये से ज्यादा की राशि ट्रांसफर की गई। कार्यक्रम में मुख्यमंत्री ने 296 करोड़ रुपये की लागत वाले 40 विकास कार्यों का लोकार्पण और भूमि–पूजन भी किया। इसके अलावा उन्होंने छात्रों को लैपटॉप और प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया तथा विभिन्न योजनाओं के हितग्राहियों को लाभ वितरित किया।

सीएम मोहन यादव ने कहा कि सरकार नारी शक्ति के कल्याण और सशक्तिकरण के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है। उन्होंने बताया कि अब तक लाड़ली बहना योजना के तहत हजारों करोड़ रुपये की सहायता दी जा चुकी है, जिससे महिलाओं की आर्थिक स्थिति मजबूत हुई है।

जिले में बेखौफ दौड़ रहे डग्गेमार वाहन

बिना परमिट सवारियां ढो रहे सैकड़ों अवैध वाहन

गोवर्धन चौराहे पर प्राइवेट वाहन दिल्ली के लिए सवारियों को बैठाकर ले जाते हुए।

यूनिक समय, मथुरा। जिले में डग्गेमार वाहनों का जाल तेजी से फैलता जा रहा है। शहर से लेकर हाईवे और ग्रामीण क्षेत्रों तक बिना परमिट चल रहे प्राइवेट वाहन खुलेआम सवारियां भर रहे हैं। कम किराया और जल्दी पहुंचाने का लालच देकर चालक लोगों को बैठा लेते हैं, जबकि इन वाहनों में सफर करना यात्रियों की जान के साथ बड़ा जोखिम बनता जा रहा है। आए दिन हो रहे सड़क हादसों में कई बार ऐसे ही वाहनों का नाम सामने आता है, लेकिन इसके बावजूद लोग मजबूरी और जल्दबाजी में इनमें सफर करने को मजबूर हैं। शहर के गोवर्धन चौराहा, पुराना बस अड्डा और हाईवे क्षेत्र से बड़ी संख्या में डग्गेमार वाहन दिल्ली, पलवल, कोसीकलां, फरीदाबाद, नोएडा, हाथरस और

सस्ती यात्रा का लालच पड़ जाता है,भारी

हादसा होने पर यात्रियों को नहीं मिलता मुआवजा

मथुरा से लेकर दिल्ली एनसीआर तक फैला अवैध वाहनों का जाल

कासगंज और आगरा के लिए सवारियां लेकर निकलते हैं। इतना ही नहीं, यमुना एक्सप्रेस-वे पर भी ये वाहन तेज रफ्तार में दौड़ते दिखाई देते हैं। कई वाहन क्षमता से अधिक सवारियां भरकर चलते हैं,

वाहन चालक जावेद व जितेंद्र सिंह

जिससे हादसे का खतरा और बढ़ जाता है। लोगों का कहना है कि कई बार प्रशासन अभियान चलाता है, लेकिन कुछ दिनों बाद फिर वही स्थिति बन जाती है। परिवहन विभाग के अनुसार जिले में छह सीटर कॉमर्शियल वाहनों के करीब 2325 रजिस्ट्रेशन हो चुके हैं। इसके अलावा आठ से 13 सीटर तक के करीब 280 टेंपो ट्रैवलर और अन्य कॉमर्शियल वाहन भी पंजीकृत हैं। इसके बाद भी बड़ी संख्या में ऐसे वाहन सड़क पर दौड़ रहे हैं जो बिना अनुमति सवारियां ढो रहे हैं। एआरटीओ प्रवर्तन दल के अधिकारी राजेश राजपूत ने कहा कि यात्रियों को केवल अधिकृत और सरकारी वाहनों में ही यात्रा करनी चाहिए। उन्होंने बताया कि विभाग समय-समय पर अवैध वाहनों के खिलाफ अभियान चलाता है। बिना परमिट और नियमों के खिलाफ चलने वाले वाहनों पर कार्रवाई भी की जाती है। उन्होंने कहा कि कुछ लोग कम किराए के लालच में प्राइवेट वाहनों में बैठ जाते हैं, लेकिन बाद में यही लापरवाही भारी पड़ सकती है। टैक्सी चालक जावेद का कहना है कि लोग बिना वाहन की जानकारी लिए ही हाथ देकर बैठ जाते हैं। यही वजह है कि कई बार चोरी, लूटपाट और अन्य घटनाएं भी सामने आती हैं। उन्होंने कहा कि यात्रियों को टैक्सी परमिट और नंबर प्लेट देखकर ही वाहन में बैठना चाहिए। यदि कोई घटना हो जाती है तो कॉमर्शियल वाहनों में बैठने फायदा होता है, क्लेम मिल जाता है। जिले में बढ़ते डग्गेमार वाहन अब केवल यातायात नियमों का उल्लंघन नहीं, बल्कि यात्रियों की सुरक्षा और कानून व्यवस्था के लिए बड़ी चुनौती बन चुके हैं। वहीं टैक्सी चालक जितेंद्र सिंह ने बताया कि जिले में डग्गेमार वाहनों की संख्या लगातार बढ़ रही है। कई वाहन चालक यात्रियों को दिल्ली या नोएडा ले जाने का कहकर बीच रास्ते में दूसरे वाहन में बैठा देते हैं। इससे यात्रियों को परेशानी भी होती है और उनकी सुरक्षा पर भी खतरा बना रहता है। ग्रामीण और अंय कुछ ऐसे क्षेत्र है,उस मार्ग पर टैक्सी परमिट की गाड़ी नहीं चल रहीं है। जिसके कारण लोगों को घंटों इंतजार करना पड़ता है। मजबूरी में लोग प्राइवेट वाहनों में बैठ जाते हैं। यही मजबूरी डग्गेमार वाहन चालकों के लिए कमाई का जरिया बन चुकी है। साथ ही यात्रियों को भी जागरूक होने की जरूरत है। कुछ रुपये बचाने के चक्कर में अपनी जान जोखिम में डालना कभी भी भारी पड़ सकता है।

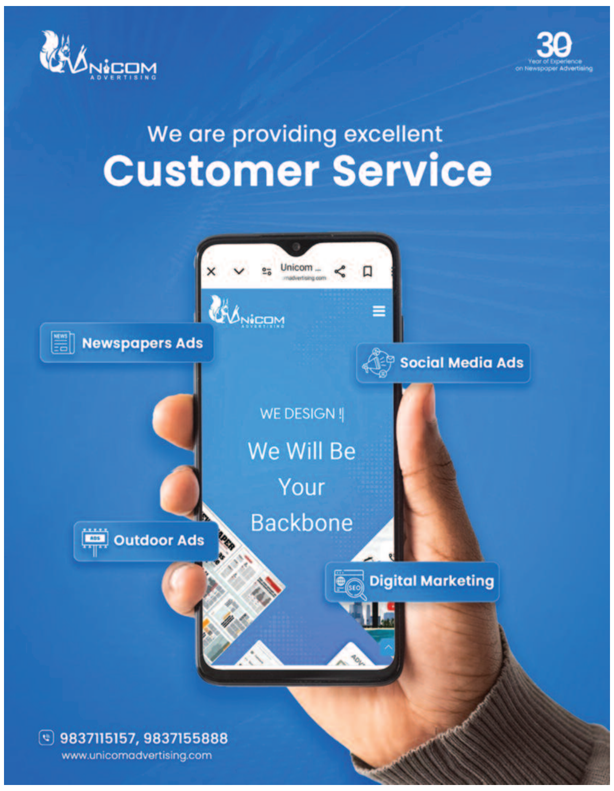

बीएसए कालेज में छात्रों का विदाई समारोह आयोजित

फेयरवैल में सांस्कृतिक प्रस्तुति देते हुए छात्राएं।

यूनिक समय, मथुरा। बीएसए कालेज ऑफ इंजीनियरिंग एण्ड टेक्नोलॉजी मथुरा के डॉ. सीवो रमन सभागार में एमसीए एवं बीटेक कंप्यूटर साइंस अन्तिम वर्ष के विद्यार्थियों का विदाई समारोह का कार्यक्रम बड़े ही धूमधाम के साथ जूनियर के छात्रों के द्वारा मनाया गया।

विदाई समारोह में विभिन्न प्रकार के रंगारंग कार्यक्रम डांस, ग्रुप डांस, सिंगिंग, मनोरंजक प्रतियोगितायें जैसे, साड़ी पहनावा, पगढी पहनावा आदि कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। इस मौके पर अन्तिम वर्ष के छात्रों ने कालेज में बिताये अपने अच्छे व बुरे अनुभवों को अपने जूनियर छात्रों के साथ साझा करते हुए कहा कि कालेज शिक्षा के साथ-साथ अन्य सांस्कृतिक गतिविधियों में भी सदैव आगे रहता है। कंप्यूटर एप्लीकेशन विभागाध्यक्ष डॉ. राजेश सिंह व कंप्यूटर साइंस विभाग अध्यक्ष डॉ. दुर्गा पूजा ने कहा कि पूरा कार्यक्रम भावनात्मक एवं आनंदमय वातावरण में संपन्न हुआ।

संस्थान के चेयरमैन एडवोकेट उमाशंकर अग्रवाल, वाइस चेयरमैन इं. नितिन मित्तल एवं निदेशक प्रो. श्याम सुन्दर अग्रवाल ने छात्र-छात्राओं के उज्ज्वल भविष्य की कामना करते हुए कहा कि शिक्षा के दौरान सीखी गई बातें ही उन्हें जीवन की चुनौतियों से लड़ने में सक्षम बनाएंगी। एमसीए एवं बीटेक कंप्यूटर साइंस विभाग से मि. फेयरवैल विशाल शर्मा, श्रीयांश बंसल तथा मिस फेयरवेल सोनम चौधरी, माही सक्सेना चुने गये।

वृंदावन दर्शन करने आई मां और बेटी लापता

तहरीर के बाद कोतवाली पुलिस ने शुरू की खोजबीन

प्रमुख संवाददाता

लापता हुई मां करीना और दिव्यांशी।

यूनिक समय, वृंदावन। मंदिरों की नगरी में दर्शन करने आया एक परिवार उस वक्त दर्द और बेबसी में डूब गया, जब परिवार की बहू और मासूम बच्ची यकायक लापता हो गईं। मुजफ्फरनगर निवासी निर्मिता देवी ने कोतवाली में अपनी बहू करीना (22) और पोती दिव्यांशी (6) की गुमशुदगी की तहरीर देकर उन्हें तलाशने की गुहार लगाई है। बताया गया है कि परिवार 13 मई को वृन्दावन घूमने आया था और गौरी गोपाल के निकट एक गेस्ट आश्रम में रुका हुआ था। गुरुवार तड़के करीब 4:30 बजे करीना अपनी मासूम बेटी दिव्यांशी को साथ लेकर आश्रम के बाहर दूध लेने गई थी। लेकिन घंटों बीत जाने के बाद भी दोनों वापस नहीं लौटीं। सुबह जब परिवार की आंख खुली और दोनों का कहीं पता नहीं चला तो हड़कंप मच गया। परिजनों ने पहले आश्रम के आसपास हर गली और दुकान पर तलाश की। रिश्तेदारों और जान-पहचान वालों को फोन किए, लेकिन मां-बेटी का कोई सुराग नहीं मिला। मां निर्मिता देवी का रो-रोकर बुरा हाल है। उनका कहना है कि बस मेरी बहू और पोती सही सलामत मिल जाएं। परिवार के लोग लगातार मंदिरों, गलियों और आसपास के इलाकों में दोनों को खोज रहे हैं। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस ने तहरीर के आधार पर तलाश शुरू कर दी है। अब पूरा परिवार एक उम्मीद के सहारे बैठा है कि जल्द ही उनकी बहू और मासूम बच्ची सकुशल घर लौट आएंगी।

शनि जयंती पर अभिषेक फूल बंगला और रसिया दंगल 16 को

यूनिक समय, मथुरा। आगरा रोड स्थित कंस टीला के नीचे प्राचीन शनि देव मंदिर पर शनि जयंती अमावस्या 16 मई को धार्मिक कार्यक्रम होंगे। मंदिर के सेवायत महंत बनवारी लाल यादव ने बताया कि प्रातः वैदिक मंत्रों के साथ शनि देव की प्रतिमा का अभिषेक किया जाएगा। शाम को श्रृंगार दर्शन आयोजित किया जाएगा।

43 वर्षों में भी खतौनी में दर्ज न हो सका एसडीएम का आदेश

संवाददाता

यूनिक समय, मांट। 43 वर्ष के लम्बे अंतराल के बाद भी कृषि भूमि को आबादी क्षेत्र घोषित किये जाने का एसडीएम का आदेश राजस्व खतौनी में दर्ज नहीं हो सका है।

मौजा नीमगांव में लोटन, शिवचरण व होरीलाल ने अपनी कृषि भूमि के कुछ हिस्से को आबादी क्षेत्र घोषित कराने के लिए वर्ष 1983 में प्रक्रिया शुरू की, 28 सितंबर सन 83 को तत्कालीन एसडीएम ने सभी प्रक्रिया पूरी होने के बाद उक्त भूखंड को आबादी क्षेत्र घोषित करते हुए राजस्व खतौनी में दर्ज कराने के आदेश पारित किये। प्लाट के खरीददारों को नौ माह पूर्व पता चला कि तहसील प्रशासन ने आबादी दर्ज के आदेश को अभी तक खतोनी में दर्ज ही नहीं किया, जिसके चलते उन्हें परेशानी होने लगी।

अब नौ माह में रिटायर्ड फौजी फूल सिंह एसडीएम के आदेश को खतौनी में दर्ज कराने के लिए एक सौ से अधिक बार चक्कर तहसील के अधिकारियों के काट चुका है, हर अधिकारी का बस एक ही जवाब मिलता है कि आख्या मांगी है, आख्या आने दो तब देखते हैं।

अधिक मास में गोवर्धन और वृंदावन में बहेगी भक्ति की गंगा

बड़ी संख्या में श्रद्धालु आएंगे परिक्रमा लगाने

यूनिक समय, मथुरा। 17 मई से प्रारंभ होने वाले अधिक मास में गोवर्धन, वृंदावन समेत चौरासी कोस की परिक्रमा लगाने के लिए तीर्थयात्री तैयार हैं। 16 मई तक हजारों की संख्या में तीर्थयात्री ब्रज में आ जाएंगे।

तीन साल के बाद आने वाले अधिक मास की महत्ता बढ़ जाती है। देश के कौने-कौने से बड़ी संख्या में आने वाले श्रद्धालु गोवर्धन में गिरिराज महाराज की सात कोस की परिक्रमा देंगे और वृंदावन में पांच कोस की परिक्रमा के साथ बृज चौरासी कोस की परिक्रमा देंगे। इस अधिक मास में मथुरा और वृंदावन स्थित यमुना में डुबकी भी लगाएंगे। कई आश्रम संचालकों ने बताया कि बाहर से आने वाले श्रद्धालुओं उनके यहां एक माह के लिए बुकिंग करा ली है। एक माह तक बृज में रहकर विशेष पूजा अर्चना करेंगे।

नगर निगम और नगर पंचायत प्रशासन ने वृंदावन और गोवर्धन परिक्रमा मार्ग को अतिक्रमण से मुक्त करने का अभियान शुरू कर दिया है, जिससे यहां आने वाले यात्रियों को किसी तरह की परेशानी का सामना न करना पड़े।

यातायात समस्या को लेकर एसपी ट्रेफिक से मिले व्यापारी

एसपी ट्रैफिक राजेश कुमार तिवारी के साथ यातायात संबंधी समस्या पर विचार करते व्यापारी।

प्रमुख संवाददाता

यूनिक समय, मथुरा। नगर की चरमराती यातायात व्यवस्था व जाम से परेशान व्यापारी व आम नागरिकों की विभिन्न समस्याओं को लेकर नगर उद्योग व्यापार प्रतिनिधि मंडल के प्रतिनिधि मंडल ने नवागत पुलिस अधीक्षक यातायात राजेश कुमार तिवारी से मुलाकात कर 10 सूत्री मांग पत्र सौंपा। इस पर सकारात्मक वार्ता के बाद सभी मांगों पर विस्तृत चर्चा हुई व तय किया गया कि व्यापार मंडल के साथ स्वयं पुलिस अधीक्षक नगर भ्रमण कर स्थलीय निरीक्षण करेंगे। इस अवसर पर नगर अध्यक्ष सुनील अग्रवाल, महामंत्री शशिभानु गर्ग, सुनील साहनी, उपाध्यक्ष रामचंद्र खत्री, गुरुमुख दास, सहमहामंत्री श्रीभगवान चतुर्वेदी तथा वरिष्ठ मंत्री विकास जिंदल मौजूद थे।